सोशल मीडिया से जुड़ें
Parivehan_Vishesh

RNI No :- DELHIN/2023/86499
DCP Licensing Number :
F.2 (P-2) Press/2023

www.newsparivahan.com

परिवहन विशेष

वर्ष 02, अंक 36, नई दिल्ली । गुरुवार, 18 अप्रैल 2024, मूल्य ₹ 5, पेज 8

देश का पहला ट्रांसपोर्ट दैनिक समाचार पत्र

आज का सुविचार

जीवन में कामयाब होने के लिए अच्छे मित्रों की जरूरत होती है परंतु ज्यादा कामयाब होने के लिए अच्छे शत्रुओं की जरूरत होती है।

03 चुनाव प्रचार में उतरेंगी सुनीता केजरीवाल....

06 जरूरत है एक ईमानदार प्रकाशक की

08 असत्य पर सत्य की विजय का नाम हैं मर्यादा पुरषोत्तम भगवान श्री राम

सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय द्वारा अधिसूचना जारी होने के बाद भी दिल्ली परिवहन विभाग वाहन मालिकों/चालकों से ले रहा है वाहन पंजीकरण प्रमाण पत्र/ लाइसेंस के कार्ड के नाम पर फीस

संजय बाटला

नई दिल्ली। आप सभी को हम पहले ही सुचित कर चूके थे की सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय ने 1 अप्रैल 2024 से वाहनों के पंजीकरण प्रमाण पत्र और ड्राइवर लाइसेंस बेज को कार्ड के रुप में प्रिन्ट करके देने से मना कर दिया था और साथ ही अधिसूचना के अनुसार उसके लिए ली जा रही 200 रुपए फीस को भी बंद करने की घोषणा कर दी थी। सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय द्वारा साफ किया गया था की 1 अप्रैल से कार्ड की जगह डिजिटल माध्यम से वाहन पंजीकरण प्रमाण पत्र और ड्राइवर लाइसेंस बेज भेजे जाएंगे और इस अधिसूचना के अनुसार लोगो को डिजिटल माध्यम से अपने वाहन प्रमाण पत्र और ड्राइवर लाइसेंस बेज भेजने भी शुरु करवा दिए। लेकिन **दिल्ली परिवहन विभाग ने डिजिटल माध्यम से डिलीवरी शुरु हो जाने के बाद भी वाहन मालिकों और ड्राइवर से कार्ड के नाम से फीस लेनी बंद नही करवाई।** किसको मिलेगा यह फीस का पैसा, दिल्ली परिवहन विभाग को, दिल्ली सरकार को या उस कम्पनी को जिसे कार्ड प्रिन्ट करने का दिल्ली परिवहन विभाग द्वारा ठेका दिया हुआ है वह भी बिना कार्ड छापे बड़ा सवाल? सबूत के रुप में और आपकी जानकारी हेतु 14 फरवरी 2024 और 6 अप्रैल 2024 की कटी हुई फीस रसीद और 14 फरवरी 2024 को कटी रसीद के बदले डिजिटल माध्यम से आई वाहन पंजीकरण प्रमाण पत्र की सूचना प्रस्तुत है। **देखे जाने और सोचे कितना जनहित के लिए अग्रसर है दिल्ली परिवहन विभाग और उसमे कार्यरत आला अधिकारी।**

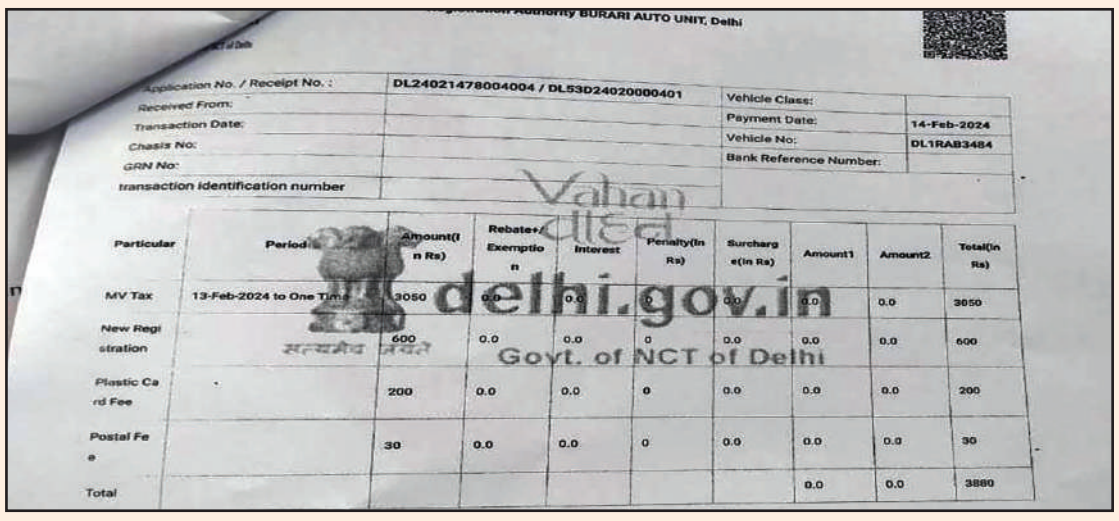

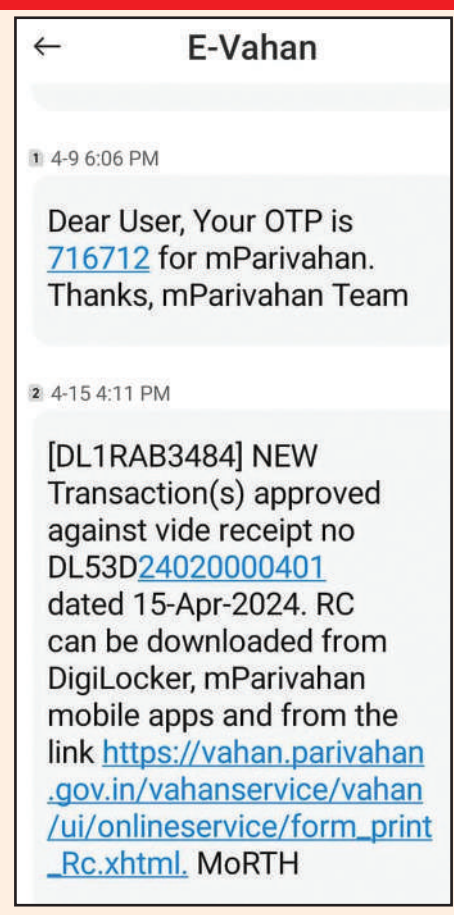

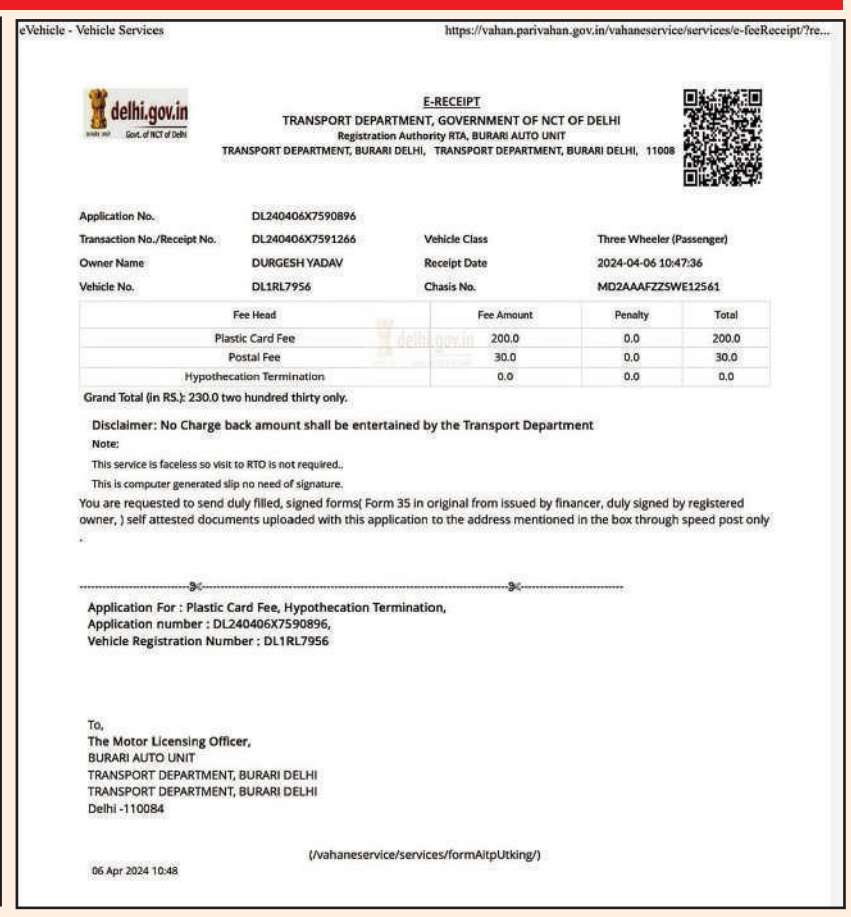

रामनवमी 17 अप्रैल 2024, सरकारी छुट्टी पर एमसीडी में पंजीकृत वाहन स्क्रैप डीलर के वाहन उठाने के लिए उपलब्ध एमसीडी अधिकारी, अचम्बा या कुछ और? जाने कागजी सबूतों के साथ

परिवहन विशेष न्यूज

नई दिल्ली। एमसीडी द्वारा निर्वाणा स्क्रेपर्स नाम के भारत सरकार द्वारा अधिकृत वाहन स्क्रैप डीलर को दिल्ली के अपनें कुछ क्षेत्रों में गलत तरीके से खड़े और समय सीमा समाप्त कर चुके वाहनों को उठा कर लाने के लिए पंजीकृत किया हुआ है। आपकी जानकारी हेतु बता दें इस वाहन स्क्रैप डीलर के खिलाफ कई कानूनी शिकायते पहले से ही दर्ज है जिसके ऊपर कार्यवाही के लिए मुकेश गोयल नेता सदन द्वारा एमसीडी आयुक्त ज्ञानेश भारती को भी भेजी हुई है। पर आज जो हुआ और निर्वाणा स्क्रेपर्स द्वारा करके दिखाया गया वह जनता, एमसीडी आयुक्त, दिल्ली पुलिस आयुक्त, एंटीकरप्शन ब्रांच का ध्यान आकर्षित करने के लिए एक बड़ा उदाहरण है की कैसे एक सरकारी छुट्टी वाले दिन उन्हे जनता के वाहन को उठवाने के लिए उपलब्ध हो गया और जनता के खड़े वाहनों को उठवा भी दिया। अधिक कुछ लिखने और बताने की जरुरत इस बात में नहीं है क्योंकि अपने आप में ही सरकारी छुट्टी वाले दिन सरकारी अधिकारी का ऐसे काम के लिए उपलब्ध होना स्वयं में सबूत भरा सवाल है।

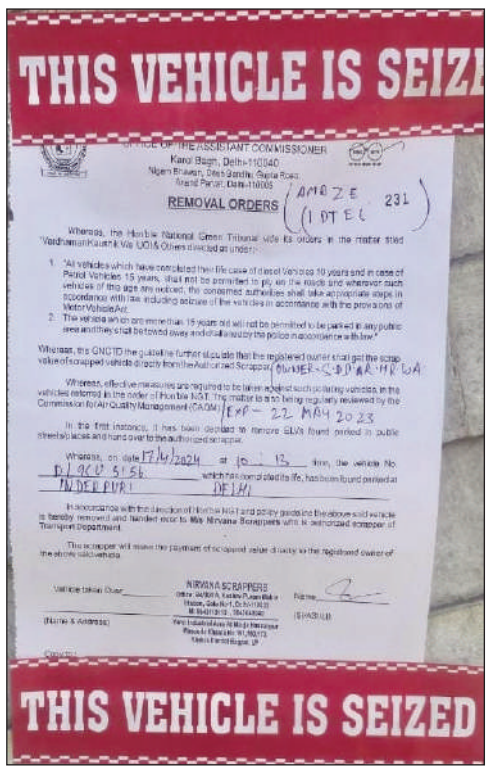

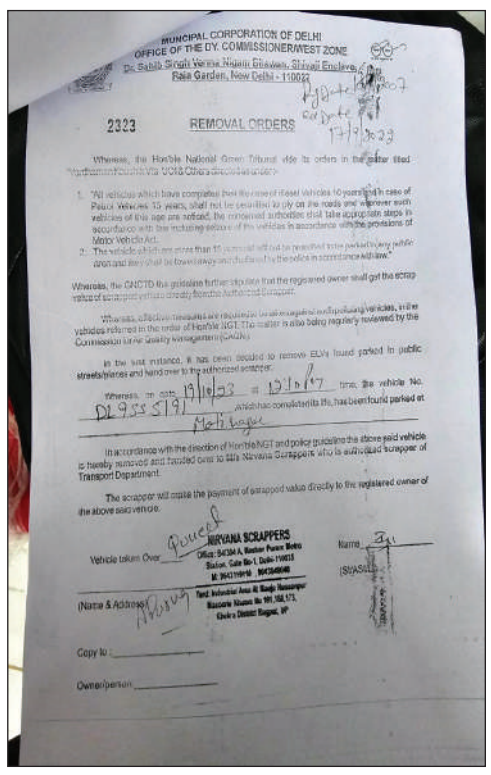

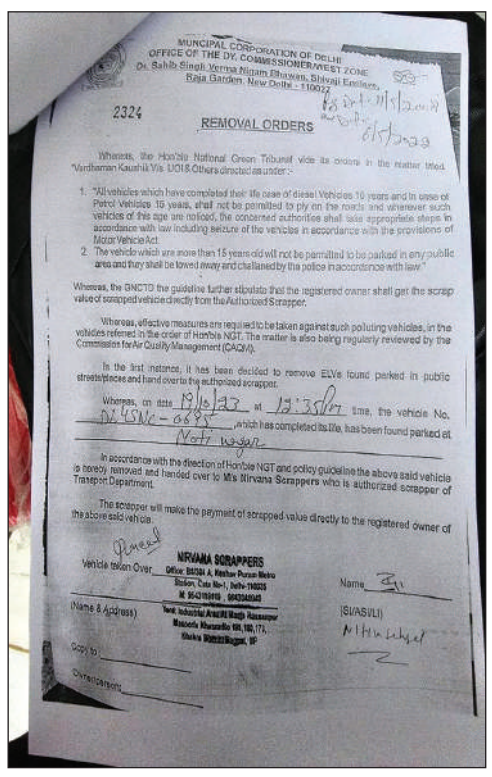

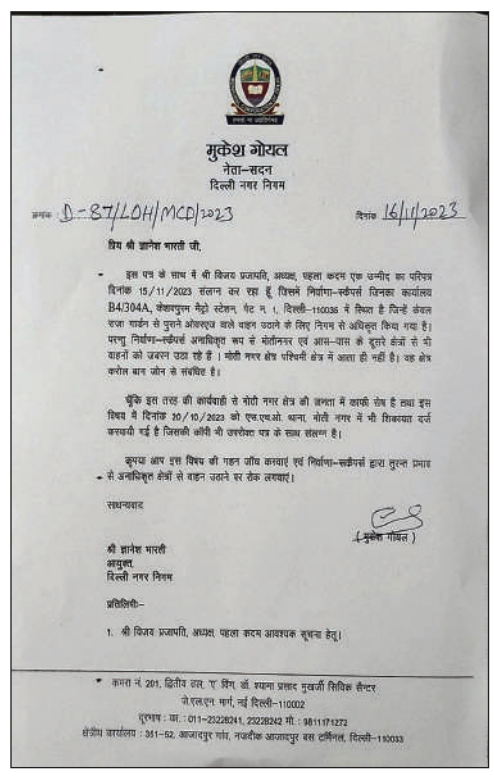

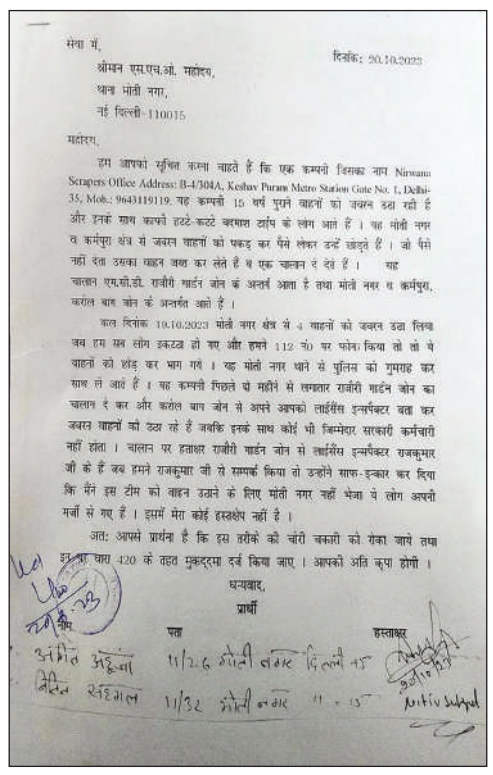

सड़क सुरक्षा के लिए एकजुट होना: सीमाओं से परे एक आह्वान सड़क सुरक्षा ओमनी फाउंडेशन

परिवहन विशेष न्यूज

एक धागा है जो हम सभी को एक साथ बांधता है - सड़क। यह आस-पड़ोस से होकर गुजरता है, शहरों को जोड़ता है, और राष्ट्रों को जोड़ता है। फिर भी, इसके विशाल विस्तार के बीच, एक कड़वी सच्चाई छिपी है: इसका मानव जीवन पर कितना प्रभाव पड़ता है। सड़क सुरक्षा राजनीतिक संबद्धताओं और सामुदायिक सीमाओं से परे है। यह एक ऐसा कारण है जो हमें हमारी साझा मानवता में एकजुट करता है।

सड़क पर जीवन की प्रत्येक हानि महज़ एक आँकड़ा नहीं है; यह हमारी सामूहिक चेतना के लिए एक गहरी क्षति है। यह एक अनुस्मारक है कि न केवल एक व्यक्ति के रूप में, बल्कि एक समाज के रूप में, अपने साथी यात्रियों के जीवन की रक्षा करना हमारा कर्तव्य है। यह जरूरी है कि हम मतभेदों को भुलाकर सभी के लिए सुरक्षित सड़कें सुनिश्चित करने की दिशा में ठोस प्रयास करने के लिए एक साथ आएं।

सड़क सुरक्षा की दिशा में यात्रा मानदंडों और विनियमों के पालन से शुरू होती है। गति सीमा, सीटबेल्ट का उपयोग और यातायात संकेतों का पालन केवल दिशानिर्देश नहीं बल्कि महत्वपूर्ण सुरक्षा उपाय हैं। हालाँकि, सच्ची प्रगति केवल अनुपालन में नहीं बल्कि रोल मॉडल के रूप में अनुकरणीय मानक स्थापित करने में निहित है।

एक ऐसे समुदाय की कल्पना करें जहां प्रत्येक चालक पैदल यात्रियों की सुरक्षा को प्राथमिकता देता है, जहां साइकिल चालक और मोटर चालक आपसी सम्मान के साथ सड़क साझा करते हैं, और जहां हर यात्रा सावधानी और जिम्मेदारी के साथ की जाती है। यह वह दृष्टिकोण है जिसके लिए हमें सामूहिक रूप से प्रयास करना चाहिए - एक ऐसा दृष्टिकोण जहां सड़क सुरक्षा हमारे सामाजिक लोकाचार में शामिल है।

इस दृष्टिकोण को प्राप्त करने के लिए सहयोग महत्वपूर्ण है। सरकारों को सड़क सुरक्षा मानदंडों का उल्लंघन करने वालों के लिए दंडात्मक उपाय सुनिश्चित करते हुए मजबूत कानून बनाना और लागू करना चाहिए। समुदायों को शिक्षित करने और जागरूकता बढ़ाने, जिम्मेदारी और जवाबदेही की संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए एक साथ आना चाहिए। और व्यक्तियों को, हममें से प्रत्येक को, कर्तव्यनिष्ठ सड़क उपयोगकर्ता बनने के लिए प्रतिबद्ध होना चाहिए, दूसरों के अनुसरण के लिए उदाहरण प्रस्तुत करना चाहिए।

लेकिन हमारे प्रयास यहीं नहीं रुक सकते. हमें बुनियादी ढांचे और प्रौद्योगिकी में भी निवेश करना चाहिए जो अच्छी तरह से डिजाइन किए गए चौराहों से लेकर बुद्धिमान परिवहन प्रणालियों तक सड़क सुरक्षा को बढ़ाती है। इसके अलावा, हमें पैदल चलने वालों और साइकिल चालकों जैसे कमजोर सड़क उपयोगकर्ताओं को प्राथमिकता देनी चाहिए, यह सुनिश्चित करते हुए कि हमारी सड़कें सभी के लिए समावेशी और सुलभ हों।

इस सामूहिक प्रयास में राजनीतिक बयानबाजी या विभाजनकारी एजेंडे के लिए कोई जगह नहीं है। सड़क सुरक्षा एक ऐसा मुद्दा है जो पक्षपातपूर्ण रेखाओं और वैचारिक मतभेदों से परे है। यह एक ऐसा उद्देश्य है जो हमारी मानवता के मूल सार-जीवन और कल्याण को हमारे द्वारा दिए जाने वाले अंतर्निहित मूल्य-के बारे में बताता है।

जैसे ही हम सुरक्षित सड़कों की ओर इस यात्रा पर आगे बढ़ रहे हैं, आइए याद रखें कि हमारे आज के कार्य कल की सड़कों को आकार देंगे। आइए हम सड़क सुरक्षा के चैंपियन, बदलाव के समर्थक और ऐसे भविष्य के प्रबंधक बनने की प्रतिज्ञा करें जहां हर यात्रा सुरक्षित हो और हर जीवन को महत्व दिया जाए। आइए हम सब मिलकर एक ऐसी दुनिया की ओर मार्ग प्रशस्त करें जहां सड़क सुरक्षा की कोई सीमा न हो।

डॉ अंकुर शरण
सड़क सुरक्षा विशेषज्ञ

पर्यावरण पाठशाला: पृथ्वी दिवस विशेष

सतत आदतों को अपनाना: जिम्मेदार यात्रा के लिए एक रोडमैप- अंकुर

जैसे ही हम नई मंजिलों की खोज के लिए अपनी यात्रा शुरू करते हैं, यह याद रखना महत्वपूर्ण है कि हमारे कार्यों का पर्यावरण पर क्या प्रभाव पड़ता है। प्रत्येक सड़क यात्रा एक स्थायी जीवन शैली को बढ़ावा देने का अवसर प्रस्तुत करती है, खासकर जब अन्य राज्यों में जा रहे हों। आइए देखें कि हम पर्यावरण को समर्थन देने के लिए कैसे जागरूक विकल्प चुन सकते हैं, खासकर पहाड़ी इलाकों जैसे क्षेत्रों में जहां सफाई करना चुनौतीपूर्ण हो सकता है।

सबसे पहले, आइए कूड़े के मुद्दे पर बात करें। यह देखना निराशाजनक है कि सड़क किनारे कूड़ा-कचरा हमारे आसपास की प्राकृतिक सुंदरता को धूमिल कर रहा है। यात्रा करते समय, कूड़ा-कचरा फैलाने से बचना और कचरे का जिम्मेदारीपूर्वक निपटान करना आवश्यक है। चाहे वह स्नैक रैपर हो या प्लास्टिक की बोतल, जब तक हमें उचित निपटान बिन या रीसाइक्लिंग सुविधा नहीं मिल जाती तब तक अपने कूड़े को पकड़े रखना पर्यावरण को संरक्षित करने की दिशा में एक छोटा लेकिन प्रभावशाली कदम है।

पुनः प्रयोज्य विकल्पों जैसे स्टेनलेस स्टील की पानी की बोतलें या कपड़े के बैग में निवेश करने पर विचार करें। इससे न केवल एकल-उपयोग प्लास्टिक कचरे की मात्रा कम होती है, बल्कि लंबे समय में पैसे की भी बचत होती है। कल्पना कीजिए कि पर्यावरण-अनुकूल विकल्पों के लिए डिस्पोजेबल वस्तुओं की अदला-बदली करके हम कितना सकारात्मक अंतर ला सकते हैं।

इसके अलावा, आइए एक स्थायी जीवनशैली बनाए रखने की जिम्मेदारी के साथ-साथ बड़ी कारों के मालिक होने के विशेषाधिकार के बारे में बात करें। विशाल वाहनों जैसी विलासिता में लिप्त रहते हुए, हमारे कार्बन पदचिह्न को कम करने के महत्व को पहचानना अनिवार्य है। ईंधन-कुशल मॉडल चुनना, दोस्तों और परिवार के साथ कारपूलिंग करना, या जब भी संभव हो सार्वजनिक परिवहन चुनना उत्सर्जन को कम करने और पर्यावरणीय प्रभाव को कम करने के उत्कृष्ट तरीके हैं।

टिकाऊ जीवन की शक्ति को स्पष्ट करने के लिए, आइए कुछ प्रेरक उदाहरणों पर प्रकाश डालें। चित्र में यात्रियों का एक समूह है जो एक लोकप्रिय पर्यटक मार्ग पर सफाई अभियान चला रहा है, कूड़ा-कचरा उठा रहा है और साथी यात्रियों को पर्यावरण के संरक्षण के महत्व के बारे में शिक्षित कर रहा है। कल्पना करें कि एक परिवार अपनी सड़क यात्रा के लिए पुनः प्रयोज्य बर्तनों और कंटेनरों के साथ शून्य-अपशिष्ट पिकनिक की तैयारी कर रहा है, जो दूसरों के अनुसरण के लिए सचेत उपभोग का एक उदाहरण स्थापित कर रहा है।

संक्षेप में, एक स्थायी जीवनशैली अपनाना न केवल एक जिम्मेदारी है बल्कि एक उपहार भी है जिसे हम अपने ग्रह को वापस दे सकते हैं, खासकर पृथ्वी दिवस जैसे अवसरों पर। आइए हम अपनी यात्रा पर हल्के ढंग से चलने की प्रतिज्ञा करें, अपने पीछे पदचिह्नों के अलावा कुछ भी न छोड़ें और लुभावने परिदृश्यों और प्राचीन परिवेश की यादें अपने साथ ले जाएं। साथ मिलकर, अपने सामूहिक प्रयासों से, हम यह सुनिश्चित कर सकते हैं कि आने वाली पीढ़ियों को प्राकृतिक सुंदरता और जैव विविधता से समृद्ध दुनिया विरासत में मिले। तो, अगली बार जब आप सड़क यात्रा पर निकलें, तो याद रखें: स्थिरता आपसे शुरू होती है।

इनसाइड

प्रेग नेंसी में मोबाइल रेडिएशन से दूरी बनाना जरूरी वरना शिशु को हो सकता है मेंटल प्रॉब्लम

अगर गर्भवती महिला के आसपास अत्यधिक मोबाइल रेडिएशन है, तो उसके पेट में पल रहे बच्चे के मानसिक विकास पर बहुत ही बुरा असर पड़ सकता है. यही नहीं, बच्चे को जीवन भर बिहेवियर प्रॉब्लम से गुजरना पड़ सकता है. जानें, प्रेग्नेंसी के दौरान मोबाइल रेडिएशन से अजन्मे बच्चे के विकास में क्या समस्या आ सकती है और इससे कैसे बचा जा सकता है. हम सभी सुनते आए हैं कि अधिक मोबाइल फोन का इस्तेमाल हमारी सेहत को नुकसान पहुंचाता है. खासतौर पर प्रेग्नेंट महिला और उसके पेट मे पल रहे बच्चे के लिए ये और भी खतरनाक हो सकता है. प्रेग्नेंसी के दौरान मोबाइल फोन के इस्तेमाल से पेट में पल रहे बच्चे के विकास पर बुरा असर पड़ता है और इसकी वजह से प्रीमेच्योर डिलीवरी तक हो सकती है. केवल मां ही नहीं, अगर मां के आस पास लोग वायरलेस चीजों का अधिक इस्तेमाल कर रहे है तो इसका भी भ्रूण में पल रहे बच्चे पर खराब असर पड़ सकता है. मॉमजंक्शनमें छपी एक रिपोर्ट के मुताबिक, येल स्कूल ऑफ मेडिसिन में किए गए शोध में पाया गया है कि अत्यधिक मोबाइल रेडिएशन में अगर गर्भवती मां रहती है तो जन्म के बाद बच्चे को जीवन भर बिहेवियर प्रॉब्लम से गुजरना पड़ता है. यही नहीं, इसकी वजह से गर्भ में पल रहे बच्चे के मानसिक विकास पर भी बुरा प्रभाव पड़ता है. तो आइए जानते हैं कि प्रेग्नेंसी के दौरान मोबाइल फोन के इस्तेमाल से बच्चे को क्या नुकसान हो सकता है और हम इससे कैसे बच सकते हैं.

वायरलेस डिवाइस कैसे करता है प्रभावित

दरअसल जब हम मोबाइल, लैपटॉप या किसी भी तरह के वाइफाई या वायरलेस डिवाइस के संपर्क में आते हैं तो इससे हर वक्त इलेक्ट्रोमैग्नेटिक रेडियो वेव्स निकलते रहते हैं. ये वेव्स हमारे शरीर के डीएनए को डैमेज करने की क्षमता रखते हैं और हमारे शरीर में बन रहे जीवित सेल्स के मोलक्यूल्स को बदल सकते हैं. जिसका असर लॉग टर्म काफी खतरनाक हो सकता है. चूंकि भ्रूण हर वक्त ग्रोथ कर रहा है ऐसे में उसके डीएनए और लीविंग सेल्स आसानी से इसकी चपेट में आ सकते हैं. जिसका दूरगामी असर भी काफी खतरनाक हो सकता है.

क्या कहता है शोध

अलग अलग शोधों में पाया गया कि मोबाइल के इस्तेमाल से बच्चे पर कोई खास असर नहीं पड़ता लेकिन अगर मां और बच्चा 24 घंटे मोबाइल रेडिएशन के बीच हैं तो बच्चे की मेमोरी, ब्रेन ग्रोथ और बिहेवियर में खतरनाक रूप से समस्या आ सकती है. शोधों में यह भी पाया किया गया कि प्री और पोस्ट डिलीवरी के बाद ऐसे बच्चों में हाइपरटेंशन की समस्या हो जाती है जो समय के साथ बढ़ती जाती है. यही नहीं, बच्चे की भाषा, संचार पर भी इसका बुरा असर पड़ता है.

इस तरह करें बचाव

- घर में जहां तक हो सके वाई फाई या ब्लूटूथ उपकरणों का इस्तेमाल कम करें.
- बेहतर होगा अगर आप मोबाइल की बजाय लैंड लाइन फोन का इस्तेमाल करें.
- रेडियो, माइक्रोवेव, एक्सरे मशीन आदि से दूरी बनाएं.
- मोबाइल टावर आदि के आस पास घर ना लें.

गर्भावस्था में मोबाइल के नुकसान

-गर्भवती महिलाओं में रेडिएशन से मस्तिष्क की गतिविधि पर भी प्रभाव पड़ सकता है जिससे थकान, चिंता और नींद में रुकावट पैदा होती है.
-गर्भावस्था के दौरान रेडियो वेव्स के लगातार संपर्क से आगे जाकर कैंसर का खतरा बन सकता है.
-मां गर्भावस्था के दौरान फोन का अधिक इस्तेमाल करे या काफी करीबी लोग घर पर इसका इस्तेमाल करें तो बच्चे के व्यवहार में 50 प्रतिशत बदलाव देखने को मिलता है.

-ऐसे बच्चे अधिक एग्रेसिव और हाइपरटेंशन के पेशेंट हो जाते हैं.

क्या एग फ्रीज कराने से मेनोपॉज जल्दी होता है?

6 मिथक जिस पर लोग करते हैं यकीन, डॉक्टर से जानें सच्चाई

आजकल करियर पर फोकस करने वाली महिलाओं के बीच अपने एग को फ्रीज कराने का ट्रेंड तेजी से बढ़ रहा है. गर्भ धारण करने की इस तकनीक ने बढ़ती उम्र में भी मां बनने की राह आसान कर दी है. हालांकि, आज भी एग फ्रीजिंग को लेकर कुछ मिथक हैं, जिन पर लोग यकीन कर लेते हैं.

आजकल एग फ्रीजिंग वे महिलाएं करवा रही हैं, जो अपने करियर पर फोकस करना चाहती हैं. जल्द मां बनना नहीं चाहती हैं, क्योंकि मां बनने के बाद एक जिम्मेदारी आ जाती है और फिर करियर पर फोकस कर पाने में समस्या आने लगती है. 20-30 साल की उम्र में युवतियां एग फ्रीज कराने का ऑप्शन चुन रही हैं. यह अधिक उम्र में प्रेग्नेंट होने का बेस्ट टेक्नीक है. साथ ही उनके लिए भी फायदेमंद हैं, जो लेट से मां बनना चाहती हैं. ऐसा इसलिए क्योंकि अधिक उम्र होने पर कई बार प्रजनन क्षमता कमजोर हो जाती हैं और अंडों की भी संख्या और क्वालिटी खराब हो जाती है. हालांकि, ये चलन जहां मेट्रो सिटीज में बढ़ रहा है, तो वहीं छोटे शहरों में रहने वाले लोग इस टेक्नीक से गर्भ धारण करने के बारे में ज्यादा कुछ नहीं जानते. कुछ लोगों के अंदर तो एग फ्रीजिंग को लेकर ऐसी गलत धारणाएं या मिथक व्याप्त हैं, जिससे वे इसे कराने से बचते हैं. आइए जानते हैं एग फ्रीजिंग से संबंधित कुछ मिथ्स और फैक्टस के बारे में यहां.

मिथ्स 1: एग फ्रीजिंग प्रक्रिया दर्दनाक और समय लेने वाली है?

फैक्ट- आईवीएफ विशेषज्ञ डॉ. शोभा गुप्ता कहती हैं कि एग फ्रीजिंग की प्रक्रिया शुरू करने के लिए आवश्यक हार्मोन, दवा, इंजेक्शन आमतौर पर 8 से 11 दिनों के लिए दिन में एक या दो बार लिए जाते हैं. इस अवधि के दौरान, आपका शरीर दवा के प्रति कैसी प्रतिक्रिया दे रहा है, इसकी निगरानी के लिए एक डॉक्टर 5-7 संक्षिप्त दौरों के साथ मरीज की जांच करता है. जब पेशेंट तैयार हो, तो डॉक्टर एग रिट्रीवल सर्जरी में व्यक्ति के अंडे निकालकर प्रक्रिया को पूरा करते हैं. "सर्जरी" शब्द डरावना लग सकता है. प्रक्रिया के इस भाग के बारे में तनाव लेने की कोई आवश्यकता नहीं है, क्योंकि इसमें कोई टांके नहीं लगते हैं, कोई कट नहीं होता है और इसमें सिर्फ 15 मिनट लगता है. पूरी प्रक्रिया शुरू होने से लेकर खत्म होने तक लगभग दो सप्ताह का समय लेती है.

मिथ्स 2: एग फ्रीजिंग सिर्फ आर्थिक रूप से संपन्न वर्ग या एलीट करियर वाली महिलाओं के लिए ही है?

फैक्ट- महिलाएं चिकित्सकीय और सामाजिक दोनों तरह के कारणों से अपने अंडे को फ्रीज कराने का विकल्प चुनती हैं. कई महिलाएं चिकित्सकीय निदान के कारण अपने अंडे फ्रीज कराती हैं तो कुछ आर्थिक तंगी, पार्टनर नहीं होने या अन्य कारणों से ऐसा करती हैं. बहुत सारे अलग-अलग कारण हो सकते हैं. वर्तमान परिदृश्य में, अधिकांश महिलाएं जो अपने अंडे फ्रीज करवाती हैं, वे ऐसा इसलिए करती हैं, क्योंकि उन्हें अभी तक अपना सही जीवनसाथी नहीं मिल सका है.

मिथ्स 3: एग फ्रीजिंग एक सुरक्षित प्रक्रिया नहीं है?

फैक्ट- एग फ्रीजिंग आपके कुछ अंडों को इकट्ठा करके, फ्रीज करके और उन्हें अपने अंडाशय से संग्रहित करने की विधि है, ताकि आप बाद में गर्भवती होने के लिए उनका उपयोग कर सकें. आप निश्चिंत रहें कि एग फ्रीजिंग में स्वस्थ महिलाओं के लिए जटिलताओं का उच्च जोखिम नहीं होता है और इसे सुरक्षित और प्रभावी माना जाता है.

मिथ्स 4: केवल यंग महिलाओं और युवतियों को अपने अंडे फ्रीज करने चाहिए?

फैक्ट- जरूरी नहीं कि हर महिला अपने अंडे फ्रीज कराए ही. इसके अलावा, एक डॉक्टर द्वारा अंडे को फ्रीज करने से पहले एक व्यापक चिकित्सा इतिहास लिया जाना चाहिए. एग फ्रीजिंग केवल तभी मदद कर सकता है, जब किसी को भविष्य में प्रजनन संबंधी समस्याएं होने की उम्मीद हो या यदि वे 30 के दशक के अंत और 40 के दशक की शुरुआत में बच्चे पैदा करने का इरादा रखती हों.

मिथ्स 5: एग फ्रीजिंग से मेनोपॉज जल्दी होता है?

फैक्ट- नहीं, एग फ्रीजिंग से समय से पहले मेनोपॉज नहीं होता है. हर महीने एक महिला का शरीर कई अंडे तैयार करता है, जो विकसित हो सकते हैं. एग फ्रीजिंग प्रक्रिया के दौरान, हम अंडों के उस पूरे सेट को काटते हैं, जो बदले में आपकी भविष्य की उर्वरता को प्रभावित नहीं करता है. एग फ्रीजिंग का मेनोपॉज पर कोई प्रभाव नहीं पड़ता है. यह एक आनुवंशिक रूप से पूर्व निर्धारित महिलाओं से संबंधित इशू है.

मिथ्स 6: एग फ्रीजिंग मुख्य रूप से सिंगल लोगों के लिए होता है?

फैक्ट- एग फ्रीजिंग सिर्फ सिंगल लोगों के लिए नहीं है. बहुत से लोग लॉन्ग टर्म रिलेशनशिप और विवाह में भी अपने अंडे फ्रीज करवाते हैं. उदाहरण के लिए, कोई ऐसा करने का निर्णय तब ले सकता है, यदि वे एंडोमेट्रियोसिस या कैंसर के निदान के साथ इलाज के बाद संघर्ष कर रहे हैं. दूसरी बार, जब वे अभिवावक या मां देर से बनना चाहते हों, लेकिन बाद में ऐसा करने के लिए तैयार हों.

एग फ्रीजिंग के पहले और बाद में कैसा हो आपका खानपान? किन बातों का रखना चाहिए खास ध्यान, देखें पूरी लिस्ट

एग फ्रीजिंग के जरिए मां बनना कुछ महिलाओं को पसंद आ रहा है. खासकर, वे युवतियां इस प्रॉसेस को चुन रही हैं, जो शादी के तुरंत बाद ही मां बनने की बजाय करियर को तवज्जो देना चाहती हैं. यदि आपने एग फ्रीज कराया है तो उससे पहले और बाद में कैसी डाइट होनी चाहिए, इसके बारे में भी जानना बेहद जरूरी है. इससे हेल्दी प्रेग्नेंसी की राह आसान हो जाती है.

इन दिनों महिलाओं के बीच एग फ्रीजिंग का चलन तेजी से बढ़ रहा है. कई कारणों से युवतियां इसका सहारा लेती हैं जैसे आर्थिक अस्थिरता, करियर, साथी का ना होना, देर से शादी करना आदि. एग फ्रीजिंग उन महिलाओं के लिए एक अच्छा विकल्प है, जो अपने करियर पर ध्यान केंद्रित करना या बढ़ती उम्र में मां बनना चाहती हैं. इन दिनों सोशल एग फ्रीजिंग का चलन बढ़ गया है, जिसका मतलब है मेडिकल के अलावा अन्य उद्देश्यों के लिए अंडे को संरक्षित करना. एग फ्रीजिंग का फायदा उन महिलाओं को सबसे ज्यादा होता है, जिन्हें कैंसर की वजह से कीमोथेरेपी और रेडियोथेरेपी जैसे ट्रीटमेंट से गुजरना पड़ता है. इस ट्रीटमेंट की वजह से अक्सर अंडे (Egg) खत्म हो जाने के कारण महिलाएं भविष्य में मां नहीं बन पाती थीं. ऐसे में उन्हें एग फ्रीजिंग का काफी लाभ मिला है. हालांकि, एग फ्रीजिंग कराने के पहले, बाद में और अंडे को गर्भ में दोबारा डालने के बाद आपकी लाइफस्टाइल, डाइट सबकुछ अच्छी होनी चाहिए. इससे गर्भावस्था में कोई समस्या नहीं आती है. बच्चे का विकास भी सही तरीके से होता है.

एग फ्रीजिंग डाइट कब शुरू करनी चाहिए?

मदर्स लैप आईवीएफ सेंटर की मेडिकल डायरेक्टर व आईवीएफ विशेषज्ञ डॉ. शोभा गुप्ता कहती हैं कि एग फ्रीजिंग के जरिए मां बनना चाहती हैं तो लाइफस्टाइल, डाइट सबकुछ हेल्दी होना चाहिए. शोध से पता चला है कि डाइट में बदलाव के साथ अंडे की गुणवत्ता में सुधार होने में लगभग 3 महीने लगते हैं. यदि आप भविष्य के लिए अपने अंडों को फ्रीज़ करने पर विचार कर रही हैं, तो अपनी प्रक्रिया से पहले अपने अंडों को सही आकार में लाने के लिए हेल्दी खानपान जरूरी है. इसके लिए आपको जल्द से जल्द फर्टिलिटी डाइटिशियन से संपर्क करना बेहद जरूरी हो जाता है. खानपान में हर समय महत्वपूर्ण पोषक तत्वों का सेवन करना जरूरी हो जाता है.

एग फ्रीजिंग के बाद कैसी हो आपकी डाइट?

मदर्स लैप आईवीएफ सेंटर की मेडिकल डायरेक्टर व आईवीएफ विशेषज्ञ डॉ. शोभा गुप्ता कहती हैं कि एग फ्रीजिंग के जरिए मां बनना चाहती हैं तो लाइफस्टाइल, डाइट सबकुछ हेल्दी होना चाहिए. शोध से पता चला है कि डाइट में बदलाव के साथ अंडे की गुणवत्ता में सुधार होने में लगभग 3 महीने लगते हैं...

अंडा पुनर्प्राप्ति (egg retrieval) के बाद स्वस्थ भोजन जैसे चिकन नूडल सूप, लीन प्रोटीन, फल और सब्जियां खूब खाएं. एग फ्रीजिंग प्रक्रिया के दौरान उपयोग किए जाने वाले एनेस्थीसिया के कारण कुछ महिलाओं को हल्की मतली का अनुभव हो सकता है. यदि आपके साथ ऐसा होता है, तब तक हल्का और सुपाच्य भोजन करें, जब तक आप फिर से बेहतर महसूस न करने लगें.

इन चीजों को भी करें डाइट में शामिल

जिंक एक आवश्यक मिनरल है, जो प्रारंभिक भ्रूण विकास के लिए महत्वपूर्ण है. अपने आहार में क्विनोआ को जरूर शामिल करें. इसके साथ ही काजू और दाल जिंक के अच्छे स्रोत हैं. विटामिन डी एक महत्वपूर्ण प्रजनन हार्मोन को नियमित करने और उत्पादन करने में बड़ी भूमिका निभाता है. अंडे का पीला वाला भाग, सैल्मन मछली, ट्राउट, सार्डिन और मशरूम जैसे खाद्य पदार्थ भी फायदेमंद होते हैं. सीधी धूप विटामिन डी का बेहतरीन स्रोत है. ओमेगा-3 एक आवश्यक फैटी एसिड है, जो हमारे आहार में पाया जाता है. इसमें एंटीऑक्सीडेंट गुण होते हैं और आपके प्रजनन अंगों के आसपास सूजन को कम करने में मदद करते हैं. सीफूड के अलावा चिया सीड्स, फ्लैक्स सीड्स और अखरोट सहित प्लांट सोर्स में भी ओमेगा -3 होता है.

40 की हो गई हैं आप, हेल्दी रहने के लिए डेली डाइट में शामिल करें 6 न्यूट्रिएंट्स, एक्सपर्ट ने बताए कारण

महिलाएं अक्सर अपने खानपान का ध्यान नहीं रखती हैं. अगर आपकी उम्र 40 की हो गई है तो आपको कुछ जरूरी पोषक तत्वों को डेली डाइट में जरूर शामिल करना चाहिए. खासकर ओमेगा-3, प्रोटीन आदि से भरपूर चीजों का सेवन जरूर करें.

जैसे-जैसे उम्र बढ़ती है शरीर के अंग कमजोर होने लगते हैं. ऐसे में जरूरी हो जाता है कि आप कम उम्र से ही पोषक तत्वों से भरपूर चीजों का सेवन करें. साथ ही बढ़ती उम्र में भी उन सभी विटामिंस, मिनरल्स आदि को डाइट में शामिल करें, जो संपूर्ण सेहत के लिए जरूरी होते हैं. आपको बुजुर्गावस्था में बीमारियों से बचाए रखें. यह बात महिलाओं पर भी लागू होता है. खासकर, जब आपकी उम्र 40 पार हो रही हो तो आयरन, ओमेगा-3, प्रोटीन आदि से भरपूर चीजों का सेवन जरूर करें. अक्सर महिलाओं को पता नहीं होता है कि उन्हें 40 वर्ष की उम्र में कौन-कौन से जरूरी न्यूट्रिएंट्स को अपनी डाइट में शामिल करना चाहिए. आइए जानते हैं न्यूट्रिशनिस्ट लवनीत बत्रा से, जिन्होंने हाल ही में 40 वर्ष की उम्र की महिलाओं के लिए कुछ आवश्यक न्यूट्रिएंट्स के बारे में एक महत्वपूर्ण पोस्ट अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर शेयर किया है. जानें, उनके अनुसार आपको इस उम्र के पड़ाव में क्या-क्या डाइट में शामिल करना चाहिए.

1. प्रोटीन

न्यूट्रिशनिस्ट लवनीत बत्रा का कहना है कि महिलाओं को 40 वर्ष की उम्र में प्रोटीन का सेवन जरूर करना चाहिए. इस उम्र में मेनोपॉज होने के पहले कई तरह के हॉर्मोनल बदलाव भी होते हैं. कई बार शरीर में फैट बढ़ जाता है, लीन मसल मास में कमी आ जाती है, जो बाद में उनके दीर्घायु को प्रभावित कर सकता है. ऐसे में बेहद जरूरी हो जाता है कि आप प्रोटीन का सेवन पर्याप्त मात्रा में करें. यह लीन मसल्स के नुकसान को रोकने में मदद कर सकता है.

5 आदतों को डेली लाइफ में शामिल करें महिलाएं, खूबसूरती में आएगा निखार, बन जाएंगी अट्रैक्टिव पर्सनैलिटी

2. बी विटामिन

40 से अधिक की उम्र वाली महिलाओं के लिए बी-विटामिन श्रृंखला वाले विटामिंस भी बेहद जरूरी हैं. आप जो भी खाती हैं, उस भोजन के द्वारा ऊर्जा प्राप्त करने या बनाने के लिए आपके शरीर द्वारा उपयोग की जाने वाली प्रक्रिया में ये बी-विटामिन काफी मदद करते हैं. साथ ही लाल रक्त कोशिकाओं को भी बनाने में मदद करते हैं.

3.कैल्शियम

जैसे-जैसे महिलाओं की उम्र बढ़ती है, उनकी हड्डियों की डेंसिटी कम होने लगती है और कैल्शियम हड्डियों को मजबूत रखता है. कैल्शियम के सेवन से ऑस्टियोपोरोसिस के जोखिम को कम किया जा सकता है. यह एक ऐसी बीमारी है, जिसमें हड्डियां भंगुर (brittle) हो जाती हैं. कैल्शियम की जरूरत मांसपेशियों के संकुचन, नर्व, हार्ट के कामकाज और अन्य जैव रासायनिक प्रतिक्रियाओं जैसे शरीर के अन्य बुनियादी कार्यों के लिए भी होती है. यदि आप अपनी डाइट में पर्याप्त मात्रा में कैल्शियम शामिल नहीं करती हैं तो शरीर आपकी हड्डियों से कैल्शियम चुराने लगता है, जिससे हड्डियां धीरे-धीरे कमजोर होने लगती हैं.

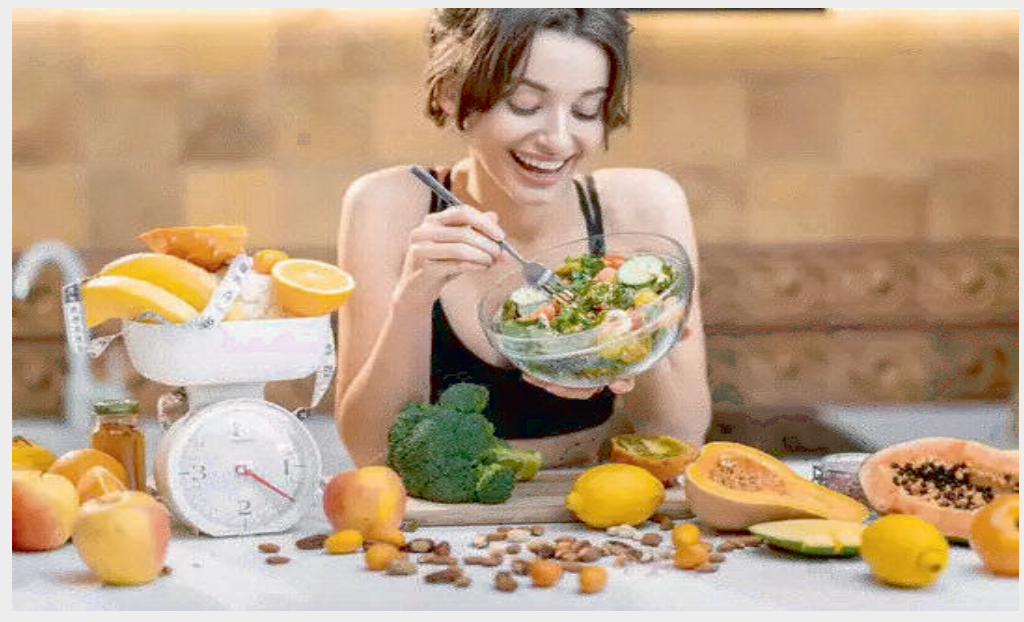

4. विटामिन डी

महिलाओं के लिए विटामिन डी भी बेहद जरूरी है. यह कैल्शियम को अवशोषित करने में मदद करता है, इसलिए इसका ध्यान रखना बेहद जरूरी है कि आप 40 की उम्र में आकर विटामिन डी भरपूर लें. साथ ही, विटामिन डी डायबिटीज, हृदय रोग सहित अन्य समस्याओं को कम करने में भी बेहद फायदेमंद होता है.

इसे भी पढ़ें: पुरुषों की तुलना में महिलाएं क्यों होती हैं ज्यादा एनीमिक? 9 लक्षण से करें पहचान, बिना दवा के भी दूर होगी समस्या

5. आयरन

क्या आप जानती हैं कि आपके शरीर को हीमोग्लोबिन बनाने के लिए आयरन की आवश्यकता होती है? यह एक ऐसा पदार्थ है, जो आपके लाल रक्त कोशिकाओं में मौजूद होता है और पूरे शरीर में ऑक्सीजन ले जाता है. 40 की उम्र ज्यादातर महिलाओं के लिए पेरिमेनोपॉज पीरियड का होता है. ऐसे में आयरन की कमी होने से आपको एनीमिया होने का जोखिम बढ़ सकता है. आयरन रिच डाइट आज से लेना शुरू कर दें.

6. ओमेगा-3 फैटी एसिड्स

माना जाता है कि ओमेगा-3 फैटी एसिड्स कॉग्निशन और हार्ट की सेहत में सुधार करते हैं. ये लाभकारी फैट शरीर के कोलेस्ट्रॉल और ट्राइग्लिसराइड के स्तर को भी सामान्य और नियंत्रित करते हैं. तो आप यदि 40 की हो चुकी हैं तो बेहद जरूरी है कि आप ओमेगा-3 फैटी एसिड से भरपूर फूड्स का सेवन करें.

दिल्ली की सभी 7 सीटों पर किस पार्टी से कौन लड़ रहा चुनाव, यहां जानिए फुल डिटेल

परिवहन विशेष न्यूज

दिल्ली की सभी सात सीटों पर छठे चरण में 25 मई को मतदान होगा और वोटों की गिनती 4 जून को होगी। इस बार कांग्रेस और आम आदमी पार्टी (आप) सीट-बंटवारे की व्यवस्था के तहत चुनाव लड़ रही है। आप ने 4 सीटों पर जबकि कांग्रेस ने तीन सीटों पर अपने प्रत्याशी उतारे हैं।

नई दिल्ली। दिल्ली की सभी 7 लोकसभा सीटों पर प्रत्याशियों के बीच कड़ा मुकाबला देखने को मिल सकता है। इस बार आम आदमी पार्टी (आप) और कांग्रेस गठबंधन में लोकसभा चुनाव लड़ रही है। दोनों पार्टियों के बीच सीट बंटवारे के समझौते के तहत आप चार सीटों पर चुनाव लड़ रही है, जबकि कांग्रेस तीन सीटों पर चुनाव लड़ रही है।

2019 के लोकसभा चुनावों के उलट इस बार भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को आप-कांग्रेस गठबंधन से कड़ी टक्कर मिल रही है। अपनी जीत सुनिश्चित करने के लिए दिल्ली में सभी प्रत्याशी चुनाव प्रचार में पूरी ताकत झोंक रहे हैं। आइए जानते हैं कि दिल्ली की 7 सीटों पर किस पार्टी से कौन प्रत्याशी चुनावी मैदान में है।

1. उत्तर पूर्वी दिल्ली

कांग्रेस की ओर से कन्हैया कुमार को अपना प्रत्याशी घोषित किए जाने के बाद उत्तर पूर्वी दिल्ली लोकसभा सीट पर चुनाव दिलचस्प हो गया है। जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय छात्र संघ (जेएनयूएसयू) के पूर्व अध्यक्ष कन्हैया कुमार का मुकाबला दो बार के भाजपा सांसद मनोज तिवारी से होगा।

इस सीट पर पूर्वी उत्तर प्रदेश और बिहार के मतदाताओं का दबदबा है। 2019 के लोकसभा चुनाव में मनोज तिवारी ने कांग्रेस प्रत्याशी व पूर्व मुख्यमंत्री शीला दीक्षित को शिकस्त दी थी।

2. चांदनी चौक

कांग्रेस पार्टी ने चांदनी चौक लोकसभा सीट से 79 वर्षीय जयप्रकाश अग्रवाल को टिकट दिया है। वहीं, भाजपा नेता हर्षवर्धन के राजनीति से संन्यास की घोषणा के बाद पार्टी ने इस सीट से प्रवीण खंडेलवाल को मैदान में उतारा है।

जयप्रकाश अग्रवाल काफी अनुभवी नेता हैं। वह 1984 और 1989 में चांदनी चौक सीट से जीत जीते थे और 2009 में उत्तर पूर्वी दिल्ली से सांसद रह चुके हैं जबकि प्रवीन खंडेलवाल राजनीति में नए हैं।

3. उत्तर पश्चिम दिल्ली

यह निर्वाचन क्षेत्र 2008 में परिसीमन के बाद अस्तित्व में आया। अनुसूचित जाति के लिए आरक्षित, उत्तर पश्चिम दिल्ली का प्रतिनिधित्व वर्तमान में गायक हंस राज हंस कर रहे हैं।

इस बार बीजेपी ने नॉर्थ एमसीडी के पूर्व मेयर योगेंद्र चंदोलिया को चुनावी मैदान में उतारा है। वह कांग्रेस उम्मीदवार उदित राज के खिलाफ चुनाव लड़ेंगे, जिन्होंने 2014 में भाजपा के टिकट पर जीत दर्ज की थी।

4. नई दिल्ली सीट

इस निर्वाचन क्षेत्र में नई दिल्ली सहित 10 विधानसभा सीटें शामिल हैं, जहां से आबकारी नीति घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में जेल में बंद मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल विधायक हैं।

केंद्रीय मंत्री मीनाक्षी लेखी ने 2014 और 2019 के चुनाव में आप के आशीष खेतान और कांग्रेस के अजय माकन को हराकर इस सीट से जीत हासिल की थी। हालांकि, इस बार भाजपा ने बांसुरी स्वराज को मैदान में उतारा है जिनका मुकाबला आम आदमी पार्टी के तीन बार के विधायक सोमनाथ भारती से होगा।

5. पूर्वी दिल्ली

भारतीय जनता पार्टी ने इस सीट से पूर्वी दिल्ली नगर निगम के पूर्व मेयर हर्ष मल्होत्रा को अपना उम्मीदवार बनाया है। इससे पहले 2019 के लोकसभा चुनाव में भाजपा से गौतम गंभीर ने जीत दर्ज की थी। हर्ष मल्होत्रा का मुकाबला आम आदमी पार्टी के प्रत्याशी कुलदीप कुमार से होगा।

6. दक्षिणी दिल्ली

इस सीट पर 2019 के लोकसभा चुनाव में बीजेपी के रमेश बिधूड़ी, कांग्रेस प्रत्याशी विजेंदर सिंह और आप के राघव चड्ढा के बीच त्रिकोणीय मुकाबला देखने को मिला था।

बीजेपी ने इस बार दिल्ली विधानसभा में विपक्ष के नेता रामवीर सिंह बिधूड़ी को मैदान में उतारा है। भाजपा नेता का मुकाबला तुगलकाबाद निर्वाचन क्षेत्र से विधायक और आम आदमी पार्टी के सहीराम पहलवान से होगा।

7. पश्चिमी दिल्ली

भाजपा ने अपने दो बार के सांसद प्रवेश वर्मा के स्थान पर इस सीट से दक्षिणी दिल्ली के पूर्व मेयर कमलजीत सहरावत को मैदान में उतारा है। सहरावत का मुकाबला आम आदमी पार्टी के प्रत्याशी महाबल मिश्रा से होगा, जिन्होंने 2009 में कांग्रेस के प्रत्याशी के तौर पर जीत हासिल की थी।

दिल्ली में कब होगा मतदान?

दिल्ली में सभी सात सीटों पर छठे चरण में 25 मई को मतदान होगा और वोटों की गिनती 4 जून को होगी। राजधानी में लगभग एक करोड़ 43 लाख 18 हजार पात्र मतदाता हैं।

इनमें लगभग 80 लाख पुरुष और 67 लाख महिला मतदाता शामिल हैं, जो अपने सांसदों को चुनने के लिए राष्ट्रीय राजधानी में अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे।

सात सीटों में से, नई दिल्ली 14.8 लाख मतदाताओं के साथ सबसे छोटी सीट है, जबकि पश्चिमी दिल्ली 24.9 लाख मतदाताओं के साथ सबसे बड़ी सीट है।

लोकसभा चुनाव 2019 परिणाम

वर्तमान में भाजपा के पास सभी सात लोकसभा सीटें हैं। वहीं दिल्ली विधानसभा की 70 सीटों में से 8 सीटें भाजपा के

श्रीराम मंदिर प्रश्नोत्तरी में देश भर से 1.60 लाख छात्र हुए शामिल

रामनवमी के अवसर पर प्रश्नोत्तरी के परिणाम घोषित, सभी छात्र छात्राओं को निशुल्क भागीदारी का मिला अवसर

परिवहन विशेष न्यूज

नई दिल्ली। ज्ञान और सांस्कृतिक महत्व के एक उल्लेखनीय उत्सव के रूप में उड़ान— द सेंटर आफ थियेटर आर्ट एंड चाइल्ड डवलपमेंट द्वारा आयोजित श्री राम मंदिर मंदिर प्रश्नोत्तरी में देश भर से 1.60 लाख छात्र छात्राएं शामिल हुए है। अयोध्या में श्री राम मंदिर के स्थापना दिवस के अवसर पर 22 जनवरी से शुरु किये गई इस आनलाइन प्रश्नोत्तरी के परिणाम का एलान आज रामनवमी पर्व पर किया गया।

अयोध्या में श्री राम मंदिर की स्थापना के दिन 22 जनवरी को द सेंटर आफ थियेटर आर्ट एंड चाइल्ड डवलपमेंट ने अखिल भारतीय स्तर पर श्री राम मंदिर मंदिर आनलाइन क्विज की शुरुआत की थी। क्विज का समापन 30 मार्च को हुआ था लेकिन क्विज का परिणाम आज राम नवमी के अवसर पर किया गया। क्विज परिणाम घोषित करते हुए निदेशक संजय टुटेजा ने बताया कि माउंट आबू स्कूल, नई दिल्ली के अरहम जैन और मॉडर्न पब्लिक स्कूल, बालासोर के सम्यक जैन संयुक्त रूप से प्रथम पुरुस्कार हासिल किया है जबकि माउंट आबू स्कूल के अथर्व कुमार और हरिओम कॉन्वेंट स्कूल, दादरी के लवीश ने संयुक्त रूप से द्वितीय पुरुस्कार हासिल किया है। इसके अलावा द लॉरेंस पब्लिक स्कूल नई दिल्ली से रिद्धिमान पटेल और होली एंजल स्कूल, राजपुरा से कीर्ति जैन ने संयुक्त रूप से तृतीय पुरुस्कार हासिल किया है।

संजय टुटेजा ने बताया कि इस प्रतियोगिता में देश भर के सभी राज्यों से कुल 1,60,000 छात्र छात्राओं ने भागीदारी की। आनलाइन रूप से आयोजित किये गये इस क्विज का परिणाम एक विशेष साफटवेयर द्वारा तैयार किया गया है।

विजेताओं को नकद पुरुस्कार से सम्मानित किया जायेगा जबकि प्रतियोगिता में शामिल होने वाले सभी छात्र छात्राओं को ई—मेल के जरिए प्रमाणपत्र भेजे जा चुके हैं।

केजरीवाल को जेल से चलाने दी जाए दिल्ली सरकार, हाईकोर्ट में जनहित याचिका दायर कर की गई मांग

दिल्ली आबकारी नीति घोटाला (Delhi Excise Police Scam) से जुड़े मनी लांड्रिंग मामले (Money Laundering) में आरोपी मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के जेल के अंदर से सरकार चलाने को लेकर बने विवाद के बीच यह मामला अब दिल्ली हाईकोर्ट पहुंच गया है। एक अधिवक्ता ने केजरीवाल को जेल के अंदर से सरकार चलाने की अनुमति देने की मांग को लेकर हाईकोर्ट में जनहित याचिका दायर की है।

नई दिल्ली। दिल्ली आबकारी नीति घोटाला (Delhi Excise Police Scam) से जुड़े मनी लांड्रिंग मामले (Money Laundering) में आरोपी मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के जेल के अंदर से सरकार चलाने को लेकर बने विवाद के बीच यह मामला अब दिल्ली हाईकोर्ट पहुंच गया है। एक अधिवक्ता ने केजरीवाल को जेल के अंदर से सरकार चलाने की अनुमति देने की मांग को लेकर हाईकोर्ट में जनहित याचिका दायर की है। अधिवक्ता श्रीकांत प्रसाद ने याचिका दायर कर वीडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से कैबिनेट मंत्रियों के साथ बातचीत करने के लिए आवश्यक व्यवस्था की मांग की गई है। जनहित याचिका में यह भी कहा गया कि भारतीय संविधान के साथ ही किसी भी कानून में मुख्यमंत्री या प्रधानमंत्री सहित किसी भी मंत्री को जेल से सरकार चलाने से रोक नहीं है।

दिल्ली के बेघर भी मतदान कर लोकतंत्र के पर्व में निभाएंगे भागीदारी, बनाया गया वोटर कार्ड

राजधानी दिल्ली में इस बार लोकसभा चुनाव में बेघर मतदाता भी मतदान कर लोकतंत्र के पर्व में अपनी भागीदारी निभाएंगे। दिल्ली में बेघर मतदाताओं का सर्वे कराया गया है। इसके साथ ही इन लोगों का पंजीकरण कर मतदाता पहचानपत्र बनाया गया है। इसके साथ ही चुनाव आयोग की ओर से इन्हें मतदान के लिए प्रेरित भी किया जा रहा है।

नई दिल्ली। देश में रहने वाले हर नागरिक का वोट महत्वपूर्ण है, उनका अधिकार है। ऐसे में, दिल्ली के बेघर मतदाता भी लोकतंत्र के महापर्व में अपनी भूमिका निभाएंगी। बेघर मतदाता यानी जिनके पास रहने के लिए न कोई स्थायी ठिकाना और कोई पहचान प्रमाण पत्र नहीं है। मजबूरी में खुले आसमान के नीचे सड़क किनारे फुटपाथ पर, फ्लाइओवर के नीचे तो रैन बसेरों में रहने को विवश हैं। इन बेघरों को मतदान का मौका मिलेगा। दिल्ली में बेघर मतदाताओं का सर्वे कराया गया है। इसके साथ ही इन लोगों का पंजीकरण कर मतदाता पहचानपत्र बनाया गया है। इस तरह लोकतंत्र के महापर्व में बेघर लोग की भागीदारी सुनिश्चित की जा रही है। इसके साथ ही चुनाव आयोग की ओर से इन्हें मतदान के लिए प्रेरित भी किया जा रहा है। मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) कार्यालय के एक वरिष्ठ अधिकारी कहा कि मतदान हर नागरिक का अधिकार है। किसी को इस अधिकार से वंचित नहीं किया जा सकता है।

वर्ष 2019 के मुकाबले 24 सौ बेघर मतदाता बढ़े

पिछले लोस चुनाव की तुलना में इस बार बेघर मतदाता करीब 30 प्रतिशत बढ़ गए हैं। पिछले लोस चुनाव में करीब आठ हजार बेघर मतदाता थे। इससे पहले वर्ष 2014 के लोस चुनाव में दिल्ली में 7,032 बेघर मतदाता थे। इस बार के चुनाव में बेघर मतदाताओं की संख्या 10,415 हो गई है। वर्ष 2019 के लोस चुनाव की तुलना में इस बार 2,400 बेघर मतदाता बढ़े हैं।

कालकाजी मन्दिर में चैत्र मास के नवरात्र मेला के दौरान सेन्ट जोहन एम्बुलेंस ब्रिगेड की ओर से 13 से 17 अप्रैल तक मोनिका कोर्प्स ऑफिसर कालकाजी ज़ोन के नेतृत्व में मन्दिर में आये

- श्रद्धालुओं की सेवा के लिये एक राउंड दी क्लॉक फ़र्स्ट ऐड पोस्ट लगाई गई ।

परिवहन विशेष न्यूज

नई दिल्ली। इस दौरान करीब 10 ऐसे पेशेंट आये जिनकी तबीयत खराब होने के कारण अस्पताल भेजा गया जहां उनको प्राथमिक उपचार देकर घर भेज दिया गया। ज्यादातर पेशेंट बेहोशी, चक्कर आना, उल्टी आना , जी मिचलाना आदि के थे नवरात्र के दौरान भक्तगण व्रत रखते हैं तो गर्मी के कारण उनके ऐसे हालात हो जाते हैं। करीब 450 सौ ऐसे पेशेंट आये जिनको मामूली चोट सर में पैर में हाथ मे ज्यादा खून बहना आदि रहे। जिनको मौके पर पट्टियों द्वारा सहारा देकर सेवा की गई। नवरात्र मेला में निम्नलिखित सदस्यों व अधिकारियों ने अपनी सेवाएं दी। श्री योगेंद्र कुमार शर्मा एम्बुलेंस ऑफिसर, श्री चंदन एम्बुलेंस ऑफिसर, श्रीमती ज्योति शर्मा सार्जेंट नर्सिंग, श्री यस ठाकुर कैडेट सार्जेंट, श्री प्रदीप कुमार सदस्य, श्रीमती श्रुति गोस्वामी , कुमारी खुशबु, कुमारी झिलमिल नर्सिंग सदस्य, श्री अमित कुमार सदस्य, श्री सुमित कुमार सदस्य, सभी ने बहोत ही ईमानदारी से अनुशासन में रहकर अपनी निस्वार्थ सेवा दी। हमने संस्था के दक्षिण पुर्वी दिल्ली के असिस्टेंट कमिशनर श्री पी ड़ी वर्खिया से संस्था की सदस्यता एवं प्रशिक्षण कैसे लिया जाये जानना चाहा श्री वर्खिया के अनुसार संस्था गैर सरकारी है इसके सभी सदस्य व अधिकारी निस्वार्थ भाव से कार्य करते हैं, संस्था दो चरणों मे सदस्यता देती है। पहला जुनियर टीम जिंसमे 10 वर्ष से 17 वर्ष तक के युवाओं को जोड़ा जाता है । दूसरा सीनियर टीम जिंसमे 18 वर्ष से 40 वर्ष तक के नागरिकों को सदस्यता दी जाती है। संस्था की सदस्यता के लिये केवल फ़र्स्ट ऐड का सर्टिफिकेट और दिल्ली के निवासी होने का प्रमाण पत्र चाहिये। प्रतेयक सदस्य को खाकी यूनिफॉर्म बनवानी होगी और महिलाओं को सफेद सूट सलवार। प्रशिक्षण के लिये यदि आप अपने स्कुल कॉलेज, इंस्टिट्यूट, कार्यालय के कर्मचारियों आदि को प्रशिक्षण दिलाना चाहते हैं तो अधिक जानकारी के लिये पी ड़ी वर्खिया असिस्टेंट कमिशनर 9810982008 पर बात कर सकते हैं।

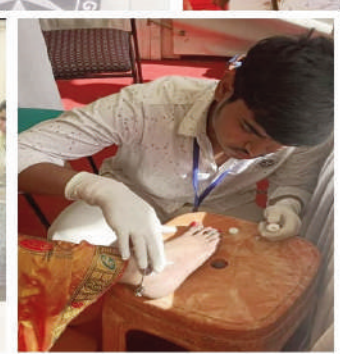

चुनाव प्रचार में उतरेंगी सुनीता केजरीवाल, स्टार प्रचारकों में जेल में बंद तीनों नेताओं के नाम, कोर्ट से ली जाएगी अनुमति

आम आदमी पार्टी (आप) के स्टार प्रचारकों की सूची में दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की पत्नी सुनीता केजरीवाल का नाम भी शामिल है। वह गुजरात में पार्टी के लिए प्रचार करेंगी। इसके अलावा जेल में बंद आम आदमी पार्टी के तीनों नेताओं मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल समेत पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया और पूर्व मंत्री सत्येंद्र जैन का नाम शामिल है।

परिवहन विशेष न्यूज

नई दिल्ली। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की ईडी की ओर से गिरफ्तारी के बाद उनकी पत्नी सुनीता केजरीवाल अब पार्टी के प्रत्याशियों के लिए चुनाव प्रचार में उतरेंगी। गुजरात में लोकसभा चुनाव के लिए स्टार प्रचारकों की सूची में सुनीता केजरीवाल का नाम शामिल किया गया है।

मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के बाद स्टार प्रचारकों में सुनीता केजरीवाल का नाम दूसरे नंबर पर है। दरअसल, अब सुनीता केजरीवाल पर पार्टी का दारोमदार है। वह आम आदमी पार्टी को एकजुट बनाए रख सकती हैं और पार्टी के कार्यकर्ता चाहते हैं कि अरविंद केजरीवाल की अनुपस्थिति में सुनीता केजरीवाल अपनी सक्रियता बढ़ाएं।

सीएम की गिरफ्तारी को मुद्दा बनाएगी आप

इसे ध्यान में रखते हुए पार्टी रणनीति तैयार कर रही है। पार्टी की योजना सीएम की गिरफ्तारी को मुद्दा बनाकर पर जनता से सहानुभूति लेना है। जिसके लिए भी सुनीता केजरीवाल का पार्टी के मंचों पर आना जरूरी माना जा रहा है।

आबकारी घोटाले से जुड़े मनी लांड्रिंग मामले में मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को 21 मार्च को ईडी ने गिरफ्तार कर लिया गया था। पार्टी के लिए बेहतर माना जा रहा है कि अब सुनीता केजरीवाल को आगे बढ़ाया जाए।

आप के स्टार प्रचारकों में जेल में बंद तीनों नेताओं के नाम

गुजरात के लिए चुनाव आयोग को दी गई स्टार प्रचारकों की सूची में मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल समेत पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया और पूर्व मंत्री सत्येंद्र जैन का नाम है। तीनों ही इस समय जेल में हैं।

इनके अलावा मुख्यमंत्री की पत्नी सुनीता केजरीवाल, पंजाब के सीएम भगवंत मान, राष्ट्रीय संगठन महासचिव संदीप पाठक, राष्ट्रीय सचिव पंकज गुप्ता, सांसद संजय सिंह, राघव चड्ढा, दिल्ली सरकार में मंत्री गोपाल राय, आतिशी, सौरभ भारद्वाज, कैलाश गहलोत, इमरान हुसैन समेत 40 लोग शामिल हैं।

इससे पहले आप ने कर्नाटक के लिए भी स्टार प्रचारकों की सूची चुनाव आयोग को दी थी। उसमें भी केजरीवाल और सिसोदिया का नाम था। हालांकि आप ने कनार्टक में प्रत्याशी नहीं उतारा है, वह कांग्रेस का समर्थन कर रही है। आप ने कहा है कि जेल में बंद नेताओं से चुनाव प्रचार कराने के लिए कोर्ट से अनुमति मांगी जाएगी।

शीर्ष नेताओं की भूमिका और जिम्मेदारी बढ़ी

पार्टी सूत्रों का कहना है कि आप के राष्ट्रीय संगठन महासचिव संदीप पाठक, पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान, दिल्ली संयोजक गोपाल राय, राज्यसभा सदस्य संजय सिंह और दिल्ली की मंत्री आतिशी आदि सहित आप के अन्य शीर्ष नेताओं की भूमिका और जिम्मेदारियां बढ़ चुकी हैं।

इस सब के साथ ही आप कार्यकर्ता और लोकसभा चुनाव में उतरे आप प्रत्याशी चाहते हैं कि सुनीता केजरीवाल चुनाव प्रचार में आएं। आप के एक नेता ने बताया कि गुजरात के साथ ही वह दिल्ली में भी चुनाव प्रचार करेंगी। जरूरत पड़ी तो पंजाब और हरियाणा भी जाएंगी।

फसल काटते समय हाईटेंशन लाइन की चपेट में आकर किसान की मौत, दूसरा घायल

फरीदाबाद। गांव महावतपुर स्थित खेत में रविवार शाम गेहूं की फसल काटते समय दो किसान बिजली की हाईटेंशन लाइन की चपेट में आ गए। घटना में एक किसान की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दूसरे की हालत गंभीर है। भूपानी थाना पुलिस ने परिजनों की शिकायत पर बिजली निगम के उपमंडल अधिकारी (एसडीओ) और कनिष्ठ अभियंता (जेई) के खिलाफ लापरवाही का केस दर्ज कर लिया है। किसान की पहचान गांव महावतपुर निवासी सुरेंद्र चौहान (43) के रूप में हुई है। उनके परिवार में पत्नी के अलावा तीन बेटियां और एक बेटा है। सुरेंद्र के भाई नरेंद्र चौहान ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि रविवार को उसका भाई सुरेंद्र और पड़ोसी वेदपाल खेत में लगी गेहूं की फसल काटने गए थे। इस दौरान सुरेंद्र खेत से गुजर रही 11 हजार वोल्ट की एचटी लाइन की चपेट में आ गया। लाइन केवल सात फीट ऊंचाई से ही गुजर रही है। सुरेंद्र को झुलसता देख वेदपाल उसे बचाने दौड़ा, लेकिन वेदपाल भी एचटी लाइन की चपेट में आकर झुलस गया। किसी तरह वेदपाल ने खुद को बचाया और गांव में फोन कर घटना की जानकारी दी।

'इंडी गठबंधन के पक्ष में मजबूत लहर, 150 सीटों तक सिमटेगी भाजपा', राहुल गांधी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में बोला बीजेपी पर हमला

परिवहन विशेष न्यूज

गाजियाबाद के कौशांबी स्थित रेडिसन ब्लू होटल में बुधवार को आइएनडीआइए गठबंधन की कांग्रेस प्रत्याशी डॉली शर्मा के समर्थन में कांग्रेस नेता राहुल गांधी और समाजवादी पार्टी के सुप्रीमो अखिलेश यादव ने संयुक्त प्रेस वार्ता को संबोधित किया। इस दौरान अखिलेश यादव ने कहा कि पश्चिम से चल रही हवा यूपी और देश में बदलाव लाएगी और इंडी गठबंधन गाजियाबाद से गाजीपुर तक क्लीन स्वीप करेगा।

गाजियाबाद। कांग्रेस नेता राहुल गांधी और समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव ने बुधवार को गाजियाबाद में संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस की। इस दौरान दोनों ने पहले रामनवमी की बधाई दी। अखिलेश ने कहा, "जो पश्चिम से हवा चल रही है वो पूरी देश में फैल रही हैं। आज किसान दुखी है भारतीय जनता पार्टी की हर बातें झूठी हैं। जो सपने दिखाए वो भी अधूरे हैं। मझे पूरी उम्मीद है इंडिया गठबंधन की सरकार बनेगी।"

150 सीट पर सिमट जाएगी बीजेपी- राहुल गांधी

राहुल गांधी ने कहा, "एक तरफ राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ और भाजपा लोकतंत्र को खत्म करने की कोशिश कर रहे हैं। वहीं, कांग्रेस सविधान को बचाने की कोशिश कर रही है। मुद्दों के बारे में ना प्रधानमंत्री और ना बीजेपी बात कर रही है।"

ये चुनाव विचारधारा का है- राहुल गांधी

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा, "ये विचारधारा का चुनाव है। इंडी गठबंधन संविधान और लोकतंत्र की रक्षा कर रहा है। बेरोजगारी, महंगाई, भागीदारी ये हमारे मुद्दे हैं। पीएम मोदी समुद्र के नीचे चले जाते हैं या आसमान में चले जाते हैं, उन्हें मुद्दों की परवाह नहीं हैं। कुछ दिन पहले पीएम ने इंटरव्यू दिया, पारदर्शिता की बात की, लेकिन इलेक्टोरल बॉन्ड से चंदा देने वालों का नाम क्यों नहीं बताया। ये बॉन्ड सीधे तौर पर उगाही है।"

जिले में पीएम मोदी कर चुके हैं रोड शो

मालूम हो, कि लोकसभा चुनाव का बिगुल बजे कई दिन बीत चुके हैं। भाजपा प्रत्याशी के समर्थन में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी रोड शो कर चुके हैं। उनके साथ मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी उपस्थित थे।

जबकि रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह भाजपा प्रत्याशी के नामांकन के दिन जनसभा को संबोधित कर चुके हैं।

इसी तरह बसपा प्रत्याशी के समर्थन में मायावती के भतीजे आकाश आनंद भी जनसभा को संबोधित कर चुके हैं, लेकिन अभी तक आइएनडीआइए गठबंधन की कांग्रेस प्रत्याशी के समर्थन में कोई बड़ा नेता रोड शो व जनसभा को संबोधित करने नहीं पहुंचा था।

शेयर बाजार में निवेश के नाम पर 43.50 लाख रुपये ठगे, कई बैंक खातों में ट्रांसफर कराई धनराशि

परिवहन विशेष न्यूज

नोएडा में शेयर बाजार में निवेश करके बेहतर रिटर्न दिलाने का झांसा देकर सेवानिवृत्त सरकारी कर्मचारी से 43.50 लाख रुपये की ठगी का मामला सामने आया है। पीड़ित के मुताबिक यह ठगी मार्च 2024 में हुई है। साइबर अपराध थाना प्रभारी उमेश कुमार नैथानी ने बताया कि मुकदमा दर्ज कर जांच की जा रही है। जांच के बाद कार्रवाई की जाएगी।

नोएडा। साइबर अपराधियों ने शेयर बाजार में निवेश करके बेहतर रिटर्न दिलाने का झांसा देकर सेवानिवृत्त सरकारी कर्मचारी से 43.50 लाख रुपये ठग लिए। पीड़ित को जब ठगी का अहसास हुआ तो साइबर अपराध थाने में अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है।

बेहतर रिटर्न का दिया था झंसा

सेक्टर-50 के अजय कुमार श्रीवास्तव ने दर्ज कराई एफआइआर में बताया कि पिछले दिनों उनके पास वाट्सएप पर एक मैसेज आया। मैसेज में बताया गया कि वह शेयर बाजार में निवेश कराते हैं और बेहतर रिटर्न दिलाते हैं। पीड़ित ने विश्वास करके निवेश करने के लिए हां कर दिया।

एप पर लाभ दिखाकर फंसाया

जालसाजों ने पीड़ित के मोबाइल में एक एप डाउनलोड कराया और विभिन्न बैंक खातों में धीरे-धीरे निवेश कराने के नाम पर धनराशि ट्रांसफर कराते रहे। धनराशि भेजने के बाद वह एप पर दिखाई देने लगती थी। एप पर लाभ दिखाई देने पर धीरे-धीरे करके शिकायतकर्ता ने 43.50 लाख रुपये निवेश कर दिए।

पीड़ित के खाते में जब 3.20 लाख रुपये शेष रह गए तो उन्होंने निवेश किए रुपये निकालने के लिए कहा। इस पर साइबर ठगों ने रुपये देने से इन्कार कर दिया। तब जाकर उन्हें ठगी का अहसास हुआ। पीड़ित के मुताबिक यह ठगी मार्च 2024 में हुई है। साइबर अपराध थाना प्रभारी उमेश कुमार नैथानी ने बताया कि मुकदमा दर्ज कर जांच की जा रही है। जांच के बाद कार्रवाई की जाएगी।

यूपी गेट पर कार में लगी आग, NH-9 और दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेस-वे पर लगा लंबा जाम

कौशांबी थाना क्षेत्र में यूपी गेट के पास मंगलवार रात करीब पौने आठ बजे एक चलती कार में अचानक आग लग गई। सूचना पर अग्निशमन कर्मी मौके पर पहुंचे। जब तक आग पर काबू पाया गया। कार पूरी जल गई थी। समय से चालक कार से बाहर आ गया। कोई जनहानि नहीं हुई। हादसे के कारण जाम लग गया।

गाजियाबाद। कौशांबी थाना क्षेत्र में यूपी गेट के पास मंगलवार रात करीब पौने आठ बजे एक चलती कार में अचानक आग लग गई। सूचना पर अग्निशमन कर्मी मौके पर पहुंचे। जब तक आग पर काबू पाया गया। कार पूरी जल गई थी। समय से चालक कार से बाहर आ गया। कोई जनहानि नहीं हुई। हादसे के कारण जाम लग गया। कार में आग लगने की घटना के बाद एनएच-नौ और दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेस-वे पर दिल्ली गाजीपुर के पास लंबा जाम लग गया। इससे यात्रियों और वाहन चालकों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

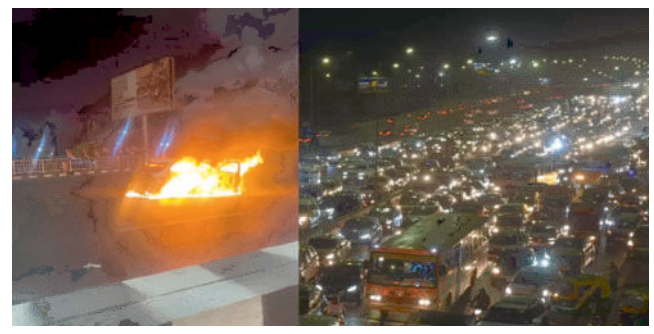

आज से रोजाना बढ़ेगा तापमान, सताएगी गर्मी

गाजियाबाद। सोमवार को जहां अधिकतम तापमान 34 डिग्री व न्यूनतम तापमान 23 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। वहीं, मंगलवार को अधिकतम तापमान में एक डिग्री और न्यूनतम तापमान में दो डिग्री का इजाफा हुआ। आद्रता 24 फीसदी रही। हवा 24 किलोमीटर प्रति घंटे की गति से चली, जिससे गर्मी से थोड़ी राहत मिली रही। आज एक डिग्री इजाफे के साथ तापमान 36 डिग्री रहने का अनुमान है। मौसम वैज्ञानिकों का दावा है कि इसी सप्ताह के अंत में अधिकतम तापमान बढ़कर 39 डिग्री तक पहुंच सकता है।

वरिष्ठ मौसम वैज्ञानिक डॉ. अरविंद यादव ने बताया कि बुधवार को अधिकतम तापमान 36 और न्यूनतम तापमान 24 डिग्री के आसपास रह सकता है। हवा की गति में थोड़ी गिरावट आ सकती है। आसमान में आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे। बृहस्पतिवार को धूप निकलने के असार कम हैं और अधिकतम तापमान 37 डिग्री रहेगा। इसके बाद तापमान में लगातार बढ़ोतरी होगी।

-गेहूं निकलाई में आ रही समस्या : इस वक्त गेहूं की फसल में कटाई के साथ निकलवाने का काम भी चल रहा है। दो दिन पहले हुई बूंदाबांदी में जहां कटाई का काम प्रभावित रहा। वहीं, अब हवा की गति बढ़ने से गेहूं निकलवाने के दौरान भूसा उड़ रहा है, जिससे किसानों को नुकसान हो रहा है। किसान रामअवतार त्यागी ने बताया कि किसानों का पूरा भविष्य मौसम की अनूकूलता पर ही टिका है।

5500 करोड़ की ईडीसी वसूलने के बावजूद ग्रेटर फरीदाबाद में सीवर, पानी की समस्या बरकरार

परिवहन विशेष न्यूज

नोएडा। ग्रेटर फरीदाबाद में विश्व स्तरीय सुविधाओं से युक्त टाउनशिप का निर्माण कराने के साथ मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने के प्रशासन के दावे खोखले साबित हो रहे हैं। पिछले 15 साल में एक्सटर्नल डेवलपमेंट चार्ज (ईडीसी) के रूप में लोगों से करीब 5,500 करोड़ रुपये वसूलने के बावजूद लोग सीवर, पानी और बिजली की समस्या से जूझ रहे हैं। यह मुद्दा हाल ही उपायुक्त की अध्यक्षता में हुई बैठक में भी उठा है। यहां के बाशिंदे खुद को सरकार, प्रशासन की लाल फीताशाही और बिल्डरों की मनमानी से ठगा हुआ महसूस कर रहे हैं।

ग्रेटर फरीदाबाद का मास्टर प्लान 2004 में लागू किया गया था। परियोजना के अनुसार 10 वर्ष में यहां नया शहर बस जाना चाहिए था। एचएसवीपी की ओर से वर्ष 2015 में विकास परियोजनाएं शुरू की गईं। इस बीच प्राधिकरण की ओर से ग्रेटर फरीदाबाद में विकास परियोजनाओं के नाम पर करीब 5500 करोड़ रुपये वसूल लिए गए, लेकिन वर्षों बाद भी लोग मूलभूत सुविधाओं की कमी से जूझ रहे हैं। ग्रेफा के वरिष्ठ उपाध्यक्ष प्रमोद मनोचा ने बताया कि ईडीसी के रूप में वसूले गए रुपयों से क्षेत्र में बिजली, पानी, सीवर, फायर स्टेशन, बिजली सबस्टेशन, स्टॉर्म वाटर लाइन, सीवर शोधन संयंत्र, सड़कों को बनाना था। 10 से 15 साल बीतने के बावजूद कई सेक्टरों में सीवर लाइन डालने का काम अधूरा है। सभी सोसाइटियों में समुचित रूप से रेनीवेल का पानी नहीं पहुंच रहा है। आज भी अनेक सोसाइटियों में ट्यूबवेल का पानी सप्लाई किया जा रहा है।

बिजली व्यवस्था का बुरा हाल

ग्रेटर फरीदाबाद में बेहतर बिजली व्यवस्था के लिए करीब तीन सबस्टेशन बनने थे। इनमें से केवल एक बना है। वह भी अभी चालू नहीं हुआ है। इस कारण ग्रेटर फरीदाबाद में दूरदराज के सब स्टेशनों से बिजली आपूर्ति की जा रही है। ओवरलोडिंग के कारण लोगों को आए दिन भारी बिजली कटौती से जूझना पड़ता है। हालत यह है कि एक बार फाल्ट से कटौती पर लोगों को दो-दो दिन सप्लाई बहाल होने इंतजार करना पड़ता है। उन्होंने कहा कि प्राधिकरण ने ईडीसी का यह पैसा विकास कार्यों पर खर्च न करके ब्याज पर देकर दोगुना कर लिया, जबकि समस्याएं आज भी

बरकरार हैं। ग्रेटर फरीदाबाद में सुरक्षा व्यवस्था भी बड़ी समस्या है। हालांकि सेक्टर में विकास परियोजनाओं संबंधी कार्यों को अब हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण से लेकर फरीदाबाद महानगर विकास प्राधिकरण को सौंप दिए गए हैं।

मुरादाबाद में अंदरूनी कलह के चलते ढह सकता है सपा का मजबूत दुर्ग

अजय कुमार

मुरादाबाद लोकसभा सीट के 17 लाख मतदाताओं में से लगभग 47 फीसदी मुसलमान हैं, जिनमें से एक बड़ा हिस्सा पसमांदा मुसलमानों का है। भाजपा द्वारा पसमांदा मुसलमानों को लुभाने पर जोर देने के साथ, मुस्लिम वोटों में विभाजन की भी संभावना है, जिससे भाजपा उम्मीदवार कुंवर सर्वेश कुमार को मदद मिलेगी।

लोकसभा चुनाव के लिये प्रथम चरण के मतदान में गिनती के दिन शेष बचे है, ऐसे में मुरादाबाद लोकसभा सीट की लड़ाई दिन पर दिन और दिलचस्प होती जा रही है। कहानी में ताजा मोड़ तब आया जब समाजवादी पार्टी (सपा) जो पहले उम्मीदवार चयन को लेकर असमंजस से जूझ रही थी। मुरादाबाद में मौजूदा सांसद एसटी हसन की जगह रुचि वीरा को लेने के बाद सपा के भीतर भड़क उठी थी, जिन्हें जेल में बंद पार्टी नेता और कद्दावर नेता आजम खान की पसंद के रूप में देखा जाता है। पार्टी द्वारा तिरस्कृत किए जाने के बाद हसन ने स्वयं को वीरा के अभियान से अलग कर लिया है। हसन यदि वीरा के समर्थन में सामने आते हैं तो इससे मतदाताओं में एक अच्छा संदेश जाएगा। सपा नेताओं के एक वर्ग का मानना है कि मुरादाबाद के पूर्व महापौर हसन, जो अपनी चिकित्सा पद्धति के कारण क्षेत्र में एक लोकप्रिय व्यक्ति हैं, की जगह वीरा को लाना मुस्लिम मतदाताओं के एक वर्ग को पार्टी से दूर बसपा की ओर ले जा सकता है, जिसने ठाकुरद्वारा नगर पालिका के वर्तमान अध्यक्ष और स्थानीय ओबीसी मुस्लिम नेता इरफान सैफी को मैदान में उतारा है। मुस्लिम सपा का एक प्रमुख वोट बैंक है। मुरादाबाद लोकसभा सीट के 17 लाख मतदाताओं में से लगभग 47 फीसदी मुसलमान हैं, जिनमें से एक बड़ा हिस्सा पसमांदा मुसलमानों का है। भाजपा द्वारा पसमांदा मुसलमानों को लुभाने पर जोर देने के साथ, मुस्लिम वोटों में विभाजन की भी संभावना है, जिससे भाजपा उम्मीदवार कुंवर सर्वेश कुमार को मदद मिलेगी। 2014 में, कुमार ने एसटी हसन को 87,000 से अधिक वोटों से हराकर मुरादाबाद जीता था। 2019 में, परिणाम बिल्कुल विपरीत था, कुमार इस बार हसन से लगभग 97,000 वोटों से हार गए, संभवत मुस्लिम वोटों के एकीकरण के कारण क्योंकि एसपी और बीएसपी गठबंधन में थे।

बहरहाल, 1992 में अपनी स्थापना के बाद से, सपा ने हमेशा इस सीट से मुस्लिम उम्मीदवारों को मैदान में उतारा है। सूत्रों ने कहा कि पार्टी को उम्मीद है कि बनिया वीरा को मैदान में उतारने से उसे कुछ उच्च जाति के वोट हासिल करने में मदद मिलेगी, जिससे मुस्लिम समर्थकों के बीच विभाजन की संभावित हानि को रोका जा सकेगा। सपा को वीरा से हसन की नाराजगी और मुस्लिम वोटों के बंटवारे के अलावा मुरादाबाद में अपनी सहयोगी कांग्रेस से परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। कांग्रेस के उत्तर प्रदेश उपाध्यक्ष मोहम्मद रिज़वान ने वीरा पर खराब रवैया रखने का आरोप लगाया है और कहा है कि वह चुनाव से तटस्थ रहेंगे। उन्होंने बताया कि मुझे लगता है कि वह (वीरा) चाहती थी कि मैं उसकी गुलामी करूं। मुझे वह पसंद नहीं आया. हालाँकि मैं उसका विरोध नहीं कर रहा हूँ, लेकिन मैं उसका समर्थन भी नहीं कर रहा हूँ।"

उधर, वीरा के प्रतिनिधि सुनील भारद्वाज ने कहा कि सपा और कांग्रेस संगठनों के बीच अच्छा समन्वय है। "मुरादाबाद एक बड़ा निर्वाचन क्षेत्र है और चुनाव प्रचार जारी है। हर किसी को समय देना कठिन है। हो सकता है कि किसी को ठेस पहुंची हो लेकिन यह उसकी ओर से पूरी तरह से अनजाने में हुआ होगा। उन्होंने डॉ हसन से भी संपर्क करने की कोशिश की और उनके आवास पर गईं, लेकिन वह उपलब्ध नहीं थे। उन्होंने कहा कि सपा और कांग्रेस नेताओं का एक व्हाट्सएप ग्रुप बनाया गया है, जिसमें प्रचार के दैनिक कार्यक्रम पहले से साझा किए जाते हैं।

बहरहाल, कांग्रेस नेता रिज़वान का वीरा के खिलाफ खुला ऐलान ज़मीन पर सपा और कांग्रेस के कार्यकर्ताओं के बीच समन्वय और संवाद की कमी वाली तस्वरी पेश कर रहा है। कांग्रेस के एक नेता ने इस बात से इनकार किया कि उनकी ओर से कोई विरोध हुआ है, उन्होंने दावा किया कि कार्यक्रमों के बारे में एसपी की ओर से कोई सूचना नहीं होने के बाद भी पार्टी नेता खुद को अभियान में शामिल कर रहे हैं।

हालाँकि, हसन के नर्सिंग होम से बमुश्किल एक किलोमीटर दूर शहर के कचहरी इलाके में राय विभाजित है। एक व्यापारी मोहम्मद जमील ने कहा कि वह हसन को हटाने के एसपी के फैसले से खुश हैं। "वह बहुत विनम्र हैं लेकिन पुलिस मामलों में गरीब लोगों की मदद करने के लिए अपने रास्ते से बाहर नहीं जाते हैं। वहीं वीरा भी इस सिलसिले में एक्टिव हैं। पिछले शुक्रवार को वह मुसलमानों से मिलीं, जो अलविदा-की-नमाज़ (रमज़ान के आखिरी शुक्रवार की प्रार्थना) अदा करने के बाद जामा मस्जिद से बाहर आ रहे थे और उन

अधिकारियों से भिड़ गईं जो हमें चुनाव प्रचार करने से रोकने की कोशिश कर रहे थे। वह हमारे लिए लड़ सकती हैं। स्थानीय लकड़ी व्यापारी शमशुद्दीन ने दावा किया कि हसन ने विकास के मुद्दों पर चर्चा करने के लिए कभी भी निर्वाचन क्षेत्र में यात्रा नहीं की। वह चाहते हैं कि मुरादाबाद में (आम आदमी पार्टी सुप्रीमो और दिल्ली के मुख्यमंत्री) अरविंद केजरीवाल जैसा कोई नेता हो, जो हमें सस्ती दरों पर बुनियादी सुविधाएं दिलाने में मदद कर सके। शम्सुद्दीन ने कहा कि उन्हें भाजपा सरकार से कोई वास्तविक समस्या नहीं है। "मैं सुरक्षित महसूस करता हूं क्योंकि यह कानून व्यवस्था पर अच्छा काम कर रहा है, लेकिन सीएम योगी आदित्यनाथ को सस्ती बुनियादी सुविधाएं प्रदान करने के बारे में भी सोचना चाहिए। शमशुद्दीन के पड़ोसी शारिक जावेद जिले में अपने सबसे बड़े नेता एसटी हसन को सपा द्वारा हटाए जाने से नाराज हैं और उन्होंने कहा कि मुस्लिम वोट बंट जाएगा। सपा के एक जिला पदाधिकारी ने भी जावेद के विचारों से सहमति जताई। नेता ने कहा कि चूंकि हसन की जगह एक हिंदू उम्मीदवार को लाया गया है, इसलिए समुदाय का एक वर्ग सैफी को पसंद करेगा।

बात बीजेपी की कि जाये तो पिछले साल अगस्त में, आदित्यनाथ सरकार ने 1980 में मुरादाबाद में हुए सांप्रदायिक दंगों पर जस्टिस एमपी सक्सेना आयोग की रिपोर्ट के निष्कर्षों को सार्वजनिक किया, जिसकी विपक्ष ने तीखी आलोचना की, जिसने भाजपा पर सीट पर चुनाव का धुव्रीकरण करने की कोशिश करने का आरोप लगाया। बात दें 13 अगस्त, 1980 को मुरादाबाद शहर की एक ईदगाह में एक सुअर के घुसने के बाद दंगे भड़क उठे थे। मुसलमानों और पुलिस के बीच हुए विवाद और पुलिस गोलीबारी में कई मुसलमानों की मौत हो गई थी। यह घटना तब हुई जब उत्तर प्रदेश और केंद्र दोनों में क्रमशः वीपी सिंह और इंदिरा गांधी के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार थीं। नवंबर 1983 में इसकी रिपोर्ट सरकार को प्रस्तुत कर दी गई थी, लेकिन अब सार्वजनिक हुई रिपोर्ट के निष्कर्षों के अनुसार, हिंसा में भाजपा, आरएसएस और पुलिस सशस्त्र कांस्टेबुलरी की कोई भूमिका नहीं थी। रिपोर्ट में आईयूएमएल नेता शमीम अहमद और एक हामिद हुसैन को दोषी ठहराया गया है।

ज़मीनी स्तर पर यह रिपोर्ट बमुश्किल ही हलचल पैदा करती है। हिंसा के केंद्र ईदगाह में बैठे 82 वर्षीय महमूद ने बताया कि इतने वर्षों बाद भी नई पीढ़ी इस घटना से अनजान है। "रिपोर्ट को सार्वजनिक करके, भाजपा संभवतः चुनाव को सांप्रदायिक बनाना चाहती है। लेकिन इसकी जरूरत नहीं थी क्योंकि यहां चुनाव हमेशा धार्मिक आधार पर लड़े जाते रहे हैं। ईदगाह के सामने कपड़े की दुकान चलाने वाले हरीश शर्मा ने भी कहा कि भाजपा को इस रिपोर्ट से कुछ हासिल नहीं होगा। नए मतदाताओं ने केवल हिंदू-मुस्लिम सद्भाव देखा है। मुझे नहीं लगता कि कोई मतदाता रिपोर्ट के कारण अपना मन बदलेगा। भाजपा जिला अध्यक्ष आकाश पाल ने इन आरोपों से इनकार किया कि रिपोर्ट पार्टी के अभियान का हिस्सा थी। उनका कहना था हम रिपोर्ट पर चर्चा नहीं कर रहे हैं। सब जानते हैं कि दंगा किसने भड़काया। यह घटना मुरादाबाद पर एक धब्बा थी। उन्होंने स्वीकार किया कि युवा लोगों को इसके बारे में कोई जानकारी नहीं है।

शाहदरा दक्षिण क्षेत्र में कार्यरत अधिकारियों / कर्मचारियों को ब्लैकमेल करने वाले के खिलाफ थाने में शिकायत और कोर्ट में केस डाल किया पर्दाफाश

परिवहन विशेष न्यूज

नई दिल्ली। जनसता समाचार पत्र में 12 अप्रैल को एक मुद्दा छापा था जो सुर्खियों में भी छाया **"निगम के अधिकारियों पर जब्त वाहनों को अवैध रूप से बेचने का आरोप"**। सचिन मीणा नामक पत्रकार एवम् शिकायतकर्ता ने क्षेत्रीय अधिकारियों एवम् निरीक्षक पर 2010-21 के बीच सामान्य शाखा द्वारा जब्त किए वाहनों को अवैध रूप से बेचने का आरोप लगाया था। इन आरोपों की सत्यता की जाँच के लिए संबंधित अधिकारीयों से पूछताछ की गई जिसमें सामने आया सरकारी नियमों के अनुसार सक्षम प्राधिकारी की अनुमति के उपरान्त जब्त समय सीमा समाप्त कर चुके वाहनों (ELV) को स्क्रैप करने के लिए अधिकृत वाहन स्क्रैप डीलर (RVSF) को सौंपा जाना होता है। इस जांच में यह तथ्य का भी खुलासा हुआ कि सरकार के नियमों/ एनजीटी के दिशा निर्देश अनुसार और सुप्रीम कोर्ट के आदेश के अनुसार समय सीमा समाप्त कर चुके वाहनों (ELV) को भारत सरकार द्वारा अधिकृत वाहन स्क्रैप डीलर को स्क्रैप करने के लिए सौंपा जाना जरुरी है तथा इन्हें नीलाम कर के बेचना आवश्यक नहीं और नीलाम भी किया जाना है तो भी अधिकृत वाहन स्क्रैप डीलर को ही किया जा सकता है। एमसीडी शाहदरा जोन द्वारा जो भी समय सीमा समाप्त कर चुके वाहन जब्त किए गए उनका ब्यौरा और उसे सिर्फ अधिकृत वाहन स्क्रैप डीलर को ही सोपा गया है का पूरा ब्यौरा शाहदरा दस्तावेज क्षेत्रीय कार्यालय में उपलब्ध है। 600 से अधिक जब्त वाहनों की सत्यता की जांच के लिए 5 कर्मचारियों से स्पष्टीकरण मांगा गया जो वर्तमान में या पूर्व में शाहदरा दक्षिण क्षेत्र की सामान्य शाखा में स्टोर-इन-चार्ज या Eclec के रूप में कार्य कर रहे हैं या कर चुके हैं। वर्तमान में मौजूद अधिकारियों/कर्मचारियों को इन 600 जन वाहनों के बारे में ना तो जानकारी है और ना ही इससे संबंधित कोई फाईल भी उनके समक्ष प्रस्तुत नही की गई। बातचीत में यह भी पता चला कि श्री सचिन मीणा नामक शिकायतकर्त के खिलाफ लिखित में आयुक्त को शिकायत दर्ज कराई है तथा सचिन मीणा पर उचित कार्यवाही करे जाने की गुजारिश भी की है। बातो में यह भी बात सामने आई है की इस तरह की सब शिकायतें सिर्फ सचिन मीणा ने Extortion एवम् अधिकारियों से Hness करने के लिए की हैं। पूर्व में भी सचिन मीणा के खिलाफ एक निरीक्षक द्वारा पुलिस थाने में लिखित शिकायत दर्ज करायी गई थी और कड़कड़दुमा कोर्ट में भी इसके खिलाफ मानहानि का मुकदमा दायर है जिसकी अगली तिथि 05 जून 2024 को है (कॉपी स्लगन)। किसी सरकारी अधिकारी/कर्मचारी अगर जनता को परेशान करता है या किसी तरह से अपने पद का दुरूपयोग करता है तो उसकी शिकायत और उसके खिलाफ कार्यवाही जरूर करनी चाहिए पर झूठी शिकायत करना भी एक जुर्म है और ऐसा करने वाला हमेशा दंड का पात्र होता है अब देखना होगा कोर्ट में केस पर क्या फैसला आता है।

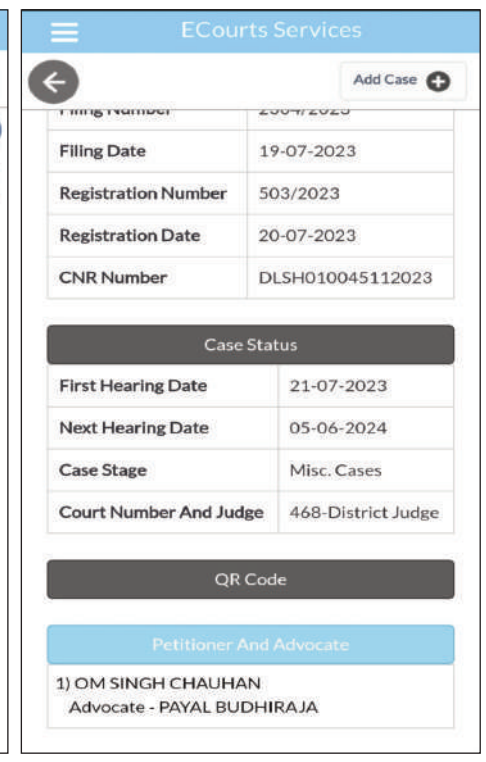

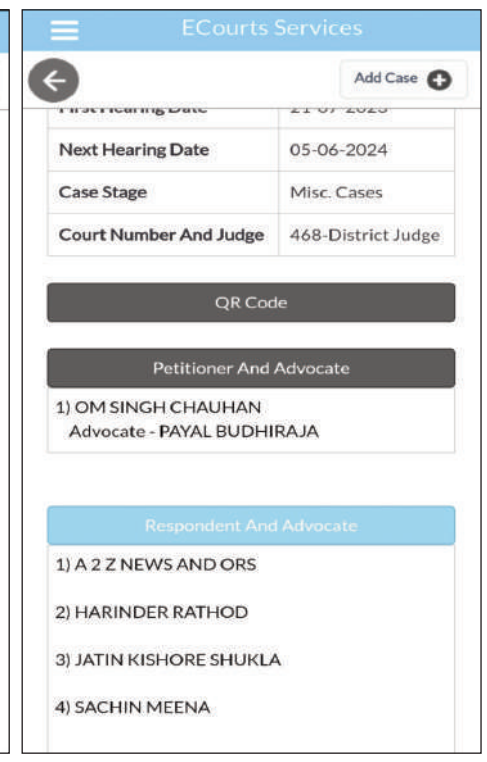

ओमनी फाउंडेशन द्वारा राकेश आर्य आईपीएस, पुलिस कमिश्नर,फरीदाबाद को पत्र लिखा गया जाने

श्रीमान जी,

सेक्टर -29 चौक पर ट्रैफिक लाइट एवं रोड मार्किंग ,रोड सिग्न जल्द से जल्द लगनी चाहिए एवं अतिक्रमण जल्द से जल्द पुरे फरीदाबाद से हटना चाहिए

1. रोड मार्किंग रोड सिग्न एवं ज़ेबरा क्रासिंग ज्यादातर शहर एवं गांव में आजकल मिसिंग है एवं शहर एवं गांव में वाटर लॉगिन की समस्या ठीक होनी चाहिए
2. शहर का ट्रांसपोर्ट सिस्टम बिलकुल ठीक ठाक एरिया वाइज शहर एवं गांव एवं नेशनल हाईवे पर सुबह एवं नाईट तक ठीक ठाक होना ही चाहिए
3. शहर एवं गांव की सड़के एवं ट्रैफिक लाइट ,CCTV कैमरे सभी जगह पर ठीक ठाक होनी चहिये
4. शहर के सभी डिपार्टमेंट की जिमेदारी सड़क सुरक्षा एवं नोडल अफसर के लिए पुरे जिले में तय होनी चाहिए
5. ऑटो का सिस्टम ठीक होना चाहिए ऑटो के ड्राइवर के लिए स्पेशल ड्राइविंग कैंप लगे होने चाहिए ऑटो ,ट्रेक्टर ट्राली की फिटनेस चेक होनी चाहिए
6. इललीगल बस ,मारुती वैन,जुआड़ वाहन की समस्या का हल होना चाहिए जो इस समय शहर एवं गांव में रोजाना ही इललीगल जगह जगह चल रहे है
7. शहर एवं गांव में नो एंट्री में वाहन ट्रक एवं डम्पर सड़क पर बिलकुल नहीं चलने चाहिए
8. शहर एवं गांव में सड़क पर गाये ,सड़ सड़को पर एवं गालिओ में जगह जगह घूम रहे है जो रोजना एक्सीडेंट का कारन बन रहे है
9. नेशनल हाईवे पर पेट्रोलिंग टीम एवं ट्रैफिक पुलिस सुबह एवं लेट नाईट तक कुश पॉइंट पर अबश्य ही होनी चाहिए
10. RTA एवं ट्रैफिक पुलिस में टेक्निकल विंग बिलकुल होनी चाहिए एक स्पेशल ट्रैफिक पुलिस का नंबर होना चाहिए
11. सभी स्कूल एवं कॉलेज का समय अलग अलग होना चाहिए एवं सभी स्कूल एवं कॉलेज के बाहर इनके सिक्योरिटी गार्ड अबश्य लगे होने चाहिए
12. ट्रैफिक पुलिस की लेटेस्ट ट्रैफिक की टेक्निकल एवं लॉ की ट्रेनिंग अबश्य होनी चाहिए
13. ट्रैफिक पुलिस में चालान काटने की टीम एवं ट्रैफिक चलाने वाली टीम बिलकुल अलग अलग होनी चाहिए
14. ट्रैफिक पुलिस फरीदाबाद का फेसबुक पेज ,इंस्टाग्राम एवं ट्विटर रोजाना एक्टिव होना चाहिए
15. हर जिला फरीदाबाद के चैराहो पर शराब ठेके का जगह जगह होना आसपास अतिक्रमण रेहड़ी का जगह जगह पर होना
16. शहर एवं गांव में सभी डिपार्मेंट सड़क बनाने से पहले पुलिस से NOC अबश्य ही लेनी चाहिए
17. ट्रैफिक पुलिस को स्टेकहोल्डर पर करवाई करनी चाहिए एक्ट -197 ,198 मोटर वाहन एक्ट 2019

स्पेशल नोट : पुलिस कमिश्नर फरीदाबाद के ऑफिस के बाहर पिछले 10 सालो से ज्यादा वाटर लॉगिन होता है एवं पुलिस कमिश्नर फरीदाबाद के कट पर लेफ्ट मुड़ने पर अतिक्रमण का एवं पेड़ का ठीक ना होना चाहिए इसी तरह फरीदाबाद में सभी जगह समस्या है एवं पुलिस कमिश्नर फरीदाबाद के घर के सामने एशियाई हॉस्पिटल के द्वारा स्मार्ट सिटी की सड़क पर एवं सेक्टर 21 A जगह पर अवैध पार्किंग एवं ट्रैफिक बूथ के आसपास अतिक्रमण होना

नेशनल हाईवे पर सर्विस रोड पर रोजाना अतिक्रमण का होना इसके लिए फरीदाबाद जिले के लिए एक मजिस्ट्रेट अबश्य होना चाहिए

शहर एवं ग्रेटर फरीदाबाद के अंदर भी सड़क के हर चोरोहे पर जगह जगह अतिक्रमण का होना एवं सभी बाजारों में जगह जगह अतिक्रमण का होना

अगर किसी को कोई समस्या हो आप इस मोबाइल नंबर पर अबश्य बात करे

प्रदीप मल्लाह
पैट्रन रोड सेफ्टी ओमनी फाउंडेशन (रजि.)
मोबाइल नंबर :9312208722

बलजीत सिंह डायरेक्टर रोड सेफ्टी ओमनी फाउंडेशन
मोबाइल नंबर 7550505085

विवेक चंडोक
सीनियर वाईस प्रेजिडेंट रोड सेफ्टी ओमनी फाउंडेशन (रजि.)
मोबाइल नंबर :9540966667

CC :श्री विक्रम सिंह आईएएस
अध्यक्ष जिला सड़क सुरक्षा समिति
फरीदाबाद
CC :श्री हरदीप दून ADGP ट्रैफिक हरियाणा
police@hry.nic.in

रोड सेफ्टी ओमनी फाउंडेशन द्वारा विक्रम सिंह, आईएएस , चेयरमैन जिला सड़क सुरक्षा समिति फरीदाबाद को लिखा गया पत्र, जाने

श्रीमान जी,

स्पेशल नोट :पुलिस लाइन चौक के आसपस पिछले काफी समय से रोड मार्किंग ,रोड सिग्न, डिवीडर पर पेंट जायदातर सड़को पर नहीं है

स्मार्ट सिटी रोड सेक्टर 29 अभी तक रोड मार्किंग नहीं हुई है स्मार्ट सिटी फरीदाबाद के ऑफिस के आसपास के हालात बहुत ही ज्यादा ख़राब है

दिल्ली मुंबई एक्सप्रेस हाईवे के दोनों साइड सड़क काफी ख़राब सभी चौक के नीचे एवं कोई दिशा निर्देश नहीं लगाया हुआ है अबतक

सभी पुल नहर के ऊपर सड़क जगह जगह टूटी है एवं नहर पार ग्रेटर फरीदाबाद में जगह जगह अतिक्रमण दिन रात बढ़ता ही जा रहा है सड़के जगह जगह टूटी पड़ी है जिला फरीदाबाद में रात में जगह जगह लाइट भी नहीं जलती है यही हालत स्मार्ट सिटी सभी जगह रोड की है लाइट बिलकुल नहीं जलती है

1.सबसे ज्यादा अतिक्रमण आपके DC ऑफिस के चारो साइड आसपास बाहर रोजाना होता है सेक्टर -15 BPTP वाली सड़क काफी जगह खराब है

2. सिद्धदाता आश्रम चौक से लेकर मेवला महाराज पुलिस चौकी तक पूरी तरह से सड़क दोनों साइड से टूटी हुई है

3. सिद्धदाता आश्रम से अगले कट से लेकर सेक्टर -21C ,अनखीर कट से लेकर सेक्टर -46 तक सड़क काफी जगह जगह पर टूटी हुई है

4. सड़को पर गाये ,साड़ रोजाना ही सड़को पर घूम रहे है एवं बाटा चौक से हार्डवेयर चौक दोनों साइड रात दिन सड़क पर ट्रक ट्रोलाये खड़े होते है

5. CM परिपेरल सड़क पर चारो साइड कब्ज़ा ही कब्ज़ा है हार्डवेयर बाटा नीलम 5 नंबर भगत सिंह चौक BK चौक से हार्डवेयर चौक तक

6. रोड मार्किंग ,रोड सिग्न जायदातर सड़को पर पुरे फरीदाबाद में काफी समय से जगह जगह मिसिंग है

7. DCP NIT ऑफिस ,ईएसआई हॉस्पिटल से लेकर NIT 1 तिकोना पार्क तक सड़क काफी समय से ख़राब है

8. अनखीर चौक से लेकर मेवला महाराज चौक तक सड़क काफी जगह टूटी है सिद्ध दाता आश्रम से लेकर अनखीर चौक तक सड़क टूट रही है

9. इललीगल बस ,ट्रेक्टर,स्कूल कॉलेज वैन एवं मारुती वैन पुरे फरीदाबाद में चल रही है बिना परमिशन के एवं CCTV की निगरानी में चल रही है एवं

पुरे फरीदाबाद जिले में सभी वाहन अंदर नो एंट्री जोन में रोजाना चल रहे है पुरे फरीदाबाद में CCTV की निगरानी में चल रहे है

स्पेशल नोट :पुरे जिला फरीदाबाद शहर एवं गांव में दिन रात नए नए बेंक्वेट हाल खुलते जा रहे है लेकिन उनके पास पार्किंग की कोई सुबिधा नहीं है अभी थोड़े दिन पहले हमारे DCP ट्रैफिक श्री अमित यशवर्धन जी ने इन सभी माल वालो एवं बैंक्वेट हाल वालो को नोटिस भी दिए थे पुरे फरीदाबाद शहर में दिन रात नए नए माल खुलते जा रहे है लेकिंग उनकी पार्किंग सड़क पर लोग रोजाना ही करते है बल्लबगढ़ से टोल टैक्स के दोनों साइड ,सेक्टर -12 , सेक्टर-15 , फरीदाबाद सूरजकुंड रोड बदरपुर टोल टैक्स ,नेशनल हाईवे

किरपा करके इस सभी काम के लिए एक मजिस्ट्रेट नोडल ऑफिस की ड्यूटी लगाए जिस से कुश सुधार ग्राउंड लेवल पर हो सके

धन्यवाद

सरदार देवेंदर सिंह
सदस्य स्टेट रोड सेफ्टी कॉउंसिल
हरियाणा सरकार
सदस्य मेंबर ऑफ़ पार्लिमेंट रोड सेफ्टी कमिटी
सदस्य टास्क फ़ोर्स स्वत्छ भारत मिशन हरियाणा सरकार

टवीटर
:@rsofbd2012@gmail.com

नये निवेश के साथ नेटवर्क विस्तार में भी जुटी ऑटो कंपनियां, यूपी व उत्तर भारत के छोटे शहरों पर खास नजर

वित्त वर्ष 2024-25 में ही देश में बड़े व मझोले स्तर के कम से कम 600 डीलर केंद्र खोले जाने वाले हैं। इसके अलावा छोटे आकार के आटोमोबाइल टच-प्वाइंट्स (सिर्फ सर्विस देने के लिए) खोले जाएंगे। इनमें से कुछ मोबाइल सर्विस केंद्र भी होंगे। एक छोटे आकार के ऑटो डीलर के यहां स्थिर तौर पर दो दर्जन लोगों को रोजगार मिलता है।

परिवहन विशेष न्यूज

नई दिल्ली। अगले पांच वर्षों में भारतीय बाजार में सात अरब डॉलर के नये निवेश की तैयारी कर रहे देशी और विदेशी ऑटोमोबाइल कंपनियों की तरफ से बड़े पैमाने पर नेटवर्किंग चैनलों (डीलरशिप व टच-प्वाइंट्स) का भी विस्तार करने की तैयारी है। मारुति सुजुकी, हुंडई मोटर इंडिया, मर्सिडीज-बेंज, किया इंडिया, एमजी मोटर जैसी कंपनियां तेजी से डीलरशिप और टच-प्वाइंट्स खोलने जा रही हैं ताकि जब ग्राहकों की मांग के मुताबिक उन्हें ना सिर्फ शीघ्रता से कारों की आपूर्ति हो बल्कि बिक्री बाद सेवा की गुणवत्ता भी बेहतर हो।

इन कंपनियों से बात करने के बाद जो डाटा सामने आ रहा है उसके मुताबिक वित्त वर्ष 2024-25 में ही देश में बड़े व मझोले स्तर के कम से कम 600 डीलर केंद्र खोले जाने वाले हैं। इसके अलावा छोटे आकार के आटोमोबाइल टच-प्वाइंट्स (सिर्फ सर्विस देने के लिए) खोले जाएंगे। इनमें से कुछ मोबाइल सर्विस केंद्र भी होंगे। एक छोटे आकार के ऑटो डीलर के यहां स्थिर तौर पर दो दर्जन लोगों को रोजगार मिलता है।

मारुति सुजुकी हर साल खोल रही 250 नए बिक्री केंद्र

मारुति सुजुकी के हेड (मार्केटिंग व सेल्स) पार्थो बनर्जी ने दैनिक जागरण को बताया, "भारतीय घरों में कारों की खरीद एक बड़ा फैसला होता है। ग्राहकों को हर चीज पर गारंटी चाहिए होती है। हमारी कंपनी के लिए ग्राहक के निकट होना बहुत जरूरी है तभी बेहतर सेवा दी जा सकती है। हम हर वर्ष 250 नये बिक्री केंद्र और 300 टच-प्वाइंट्स खोल रहे हैं। अगले सात-आठ वर्षों तक हम इससे भी ज्यादा रफ्तार से नेटवर्कों का विस्तार करेंगे क्योंकि हमारी बिक्री में भी बहुत वृद्धि संभावित है और भारतीय बाजार भी तेजी से बढ़ने वाला है।"

हुंडई मोटर तेज करेगी विस्तार की प्रक्रिया

हुंडई मोटर के सीओओ तरूण गर्ग ने बताया कि उनकी कंपनी देश के विभिन्न-विभन्न इलाकों की आर्थिक गतिविधियों, वहां दोपहिया वाहनों की बिक्री आदि का अध्ययन करती है और इसके आधार पर नई डीलरशिप खोलने का फैसला करती है। चालू साल में कंपनी पूरे देश में विस्तार करने की प्रक्रिया और तेज करने जा रही है। खास तौर पर ग्रामीण बाजारों मे। पहले से ही कंपनी की 2912 बिक्री केंद्र व सेवा केंद्र हैं जिसमें से 40 फीसद ग्रामीण क्षेत्रों में हैं। कंपनी मोबाइल सर्विस केंद्रों का भी विस्तार करेगी।

मर्सिडीज बेंज टियर 2 और टियर 3 शहरों में स्थापित करेगी डीलर नेटवर्क

लग्जरी कार बनाने वाली मर्सिडीज बेंज के सीईओ संतोष अय्यर ने बताया कि उनकी कंपनी वर्ष 2024 में श्रेणी दो व श्रेणी तीन के शहरों में अपने नेटवर्क का विस्तार करने जा रही है क्योंकि कंपनी का अनुमान है कि लग्जरी कारों में अब देश के गैर-शहरी हिस्सों से भी तेजी से मांग बढ़ने वाली है। वर्ष 2023-24 में मर्सिडीज बेंज की 18,123 कारों की बिक्री है जो 10 फीसद का ग्रोथ रेट है। यह ग्रोथ इसी साल भी मजबूत ही रहेगा। ऐसे में कंपनी दिल्ली व मुंबई जैसे महानगरों के अलावा पटना, कन्नोर, जम्मू, आगरा, अमृतसर जैसे 10 शहरों में भी अपनी डीलर नेटवर्क स्थापित करने जा रही है। कंपनी 25 मौजूदा डीलर केंद्रों को विश्व स्तर का बनाएगी। अय्यर कहते हैं कि भारत की इकोनॉमी में लगातार सात-आठ फीसद की आर्थिक विकास दर होने की वजह से गैर-महानगरीय क्षेत्रों और यहां तक की ग्रामीण बाजारों में भी मर्सिडीज बेंज की कारों की मांग बढ़ेगी।

जीडीपी में ऑटोमोबाइल उद्योग का सात फीसदी से ज्यादा हिस्सा

ऑटोमोबाइल उद्योग के बारे में अध्ययन रिपोर्ट बताती हैं कि इसका देश के कुल जीडीपी में हिस्सा सात फीसदी से ज्यादा है जबकि प्रत्यक्ष व परोक्ष तौर पर इससे 15 लाख लोगों को रोजगार मिला हुआ है। हाल ही में ऑटोमोबाइल सेक्टर पर जारी एक रिपोर्ट में कहा गया था कि अगले तीन से चार वर्षों में भारतीय ऑटो क्षेत्र में सात अरब डॉलर (तकरीबन 60 हजार करोड़ रुपये) का निवेश होने जा रहा है। इसके अलावा दो से तीन अरब डॉलर के नये निवेश की घोषणा भारत के दौरे पर आ रहे टेस्ला प्रमुख की तरफ से भी होने की संभावना है। इस निवेश का एक बड़ा हिस्सा डीलर नेटवर्क व सर्विस सेंटर स्थापित करने में होगा।

हम श्रीराम तो बनना चाहते हैं पर श्रीराम के जीवन आदर्शों को अपनाना नहीं चाहते

ललित गर्ग

श्रीराम के चौदह वर्ष के वनवास से हमें पर्यावरण संरक्षण की प्रेरणा मिलती है। जन्म, बचपन, शासन एवं मृत्यु तक उनका सम्पूर्ण जीवन प्रकृति-प्रेम एवं पर्यावरण चेतना से ओतप्रोत है। आज देश एवं दुनिया में पर्यावरण प्रदूषण एवं जलवायु परिवर्तन ऐसी समस्याएं हैं जिनका समाधान श्रीराम के प्रकृति प्रेम एवं पर्यावरण संरक्षण की शिक्षाओं से मिलता है।

हिंदू धर्म में आस्था रखने वालों के रामनवमी बहुत ही शुभ दिन होता है। सनातन शास्त्रों में निहित है कि त्रेता युग में चैत्र माह के शुक्ल पक्ष की नवमी तिथि पर भगवान श्रीराम का अवतरण हुआ था। धार्मिक मत है कि सभी प्रकार के मांगलिक कार्य इस दिन बिना मुहूर्त विचार किये भी संपन्न किए जा सकते हैं। रामनवमी पर पारिवारिक सुख-शांति और समृद्धि के लिए व्रत भी रखा जाता है। भगवान श्रीराम की पूजा करने से साधक के सकल मनोरथ सिद्ध होते हैं। साथ ही साधक भगवान श्रीराम की कृपा के भागी बनते हैं। पर्यावरण की विकराल होती समस्या के संदर्भ में भगवान श्रीराम का प्रकृति प्रेम एवं पर्यावरण संदेश इस समस्या के समाधान का एक बड़ा माध्यम बन सकता है, ऐसा हुआ तो हमारा रामनवमी मनाना सार्थक होगा।

श्रीराम के चौदह वर्ष के वनवास से हमें पर्यावरण संरक्षण की प्रेरणा मिलती है। जन्म, बचपन, शासन एवं मृत्यु तक उनका सम्पूर्ण जीवन प्रकृति-प्रेम एवं पर्यावरण चेतना से ओतप्रोत है। आज देश एवं दुनिया में पर्यावरण प्रदूषण एवं जलवायु परिवर्तन ऐसी समस्याएं हैं जिनका समाधान श्रीराम के प्रकृति प्रेम एवं पर्यावरण संरक्षण की शिक्षाओं से मिलता है।

भारतीय संस्कृति में हरे-भरे पेड़, पवित्र नदियां, पहाड़, झरनों, पशु-पक्षियों की रक्षा करने का संदेश हमें विरासत में मिला है। स्वयं भगवान श्रीराम व माता सीता 14 वर्षों तक वन में रहकर प्रकृति को प्रदूषण से बचाने का संदेश दिया। ऋषि-मुनियों के हवन-यज्ञ के जरिए निकलने वाले ऑक्सीजन को अवरोध पहुंचाने वाले दैत्यों का वध करके प्रकृति की रक्षा की। जब श्रीराम ने हमें प्रकृति के साथ जुड़कर रहने का संदेश दिया है तो हम वर्तमान में क्यों प्रकृति के साथ खिलवाड़ करने में लगे हैं। हमारा कर्तव्य है कि हम प्रकृति की रक्षा करें। गोस्वामी तुलसीदास ने 550 साल पहले रामचरित मानस की रचना करके श्रीराम के चरित्र से दुनिया को श्रेष्ठ पुत्र, श्रेष्ठ पति, श्रेष्ठ राजा, श्रेष्ठ भाई, प्रकृति प्रेम और मर्यादा का पालन करने का संदेश दिया है। रामचरित मानस एक दर्पण है जिसमें व्यक्ति अपने आपको देखकर अपना वर्तमान सुधार सकता है एवं पर्यावरण की विकराल होती समस्या का समाधान पा सकता है।

भारतीय समाज का तानाबाना दो महाकाव्यों रामायण एवं महाभारत के इर्द-गिर्द बुना गया है। इनमें जीवन के साथ मृत्यु को भी अमृतमय बनाने का मार्ग दिखाया गया है। इनमें सशरीर मोक्ष मार्ग के अद्भुत एवं विलक्षण उदाहरण हैं। रामायण में प्रभु श्रीराम चलते हुए सरयू नदी में समा जाते हैं और महाभारत में युधिष्ठिर हिमालय को लांघकर मोक्ष को प्राप्त होते हैं। इन दोनों ही घटनाओं में महामानवों ने मृत्यु का माध्यम भी प्रकृति यानी नदी एवं पहाड़ को बनाकर जन-जन को प्रकृति-प्रेम की प्रेरणा दी है। लेकिन हम देख रहे हैं कि आज हमने मोक्षदायी नदी और पहाड़ों की ऐसी स्थिति कर दी है कि वहां मोक्ष तो क्या जीवन जीना भी कठिन हो गया है। क्या हम नदियों एवं पहाड़ों को मोक्षदायी का सम्मान पुनः प्रदान कर पाएंगे। यह हमारे जमाने का यक्षप्रश्न है जिसका उत्तर देने श्रीराम और युधिष्ठिर नहीं आएंगे, लेकिन हमें ही श्रीराम एवं युधिष्ठिर बन कर प्रकृति एवं पर्यावरण के आधार नदियों एवं पहाड़ों के साथी बनना होगा, उनका संरक्षण एवं सम्मान करना होगा।

आज संपूर्ण विश्व में नदियों, पहाड़ों, प्रकृति के प्रदूषण को लेकर चिंता व्यक्त की जा रही है, लेकिन हजारों साल पहले भगवान श्रीराम ने प्रकृति के बीच रहकर प्रकृति को बचाने के लिए प्रेरित किया। भगवान श्रीराम वनवास काल में जिस पर्ण कुटीर में निवास करते थे वहां पांच वृक्ष पीपल, काकर, जामुन, आम व वट वृक्ष था जिसके नीचे बैठकर श्रीराम-सीता भक्ति आराधना करते थे। जो धर्म की रक्षा करेगा धर्म उसी की रक्षा करेगा। आदर्श समाज व्यवस्था का मूल आधार है प्रकृति एवं पर्यावरण के साथ संतुलन बनाकर जीना। रामायण में आदर्श समाज व्यवस्था को रामराज्य के रूप में बताया गया है उसका बड़ा कारण है प्रकृति के कण-कण के प्रति संवेदनशीलता। अनेक स्थानों पर तुलसीदासजी एवं वाल्मीकिजी ने पर्यावरण संरक्षण के प्रति संवेदनशीलता को रेखांकित किया है। रामराज्य पर्यावरण की दृष्टि से अत्यन्त सम्पन्न एवं स्वर्णिम काल था। मजबूत जड़ों वाले फल तथा फूलों से लदे वृक्ष पूरे क्षेत्र में फैले हुये थे। श्रीराम के राज्य में वृक्षों की जड़ें सदा मजबूत रहती थीं। वे वृक्ष सदा फूलों और फलों से लदे रहते थे। मेघ प्रजा की इच्छा और आवश्यकता के अनुसार ही वर्षा करते थे। वायु मन्द गति से चलती थी, जिससे उसका स्पर्श सुखद जान पड़ता था। इसलिए जो कुछ हम सब रामायण से समझ पाते हैं, वह ही मनुष्य के जीवन जीने की सनातन परंपरा है। वही परंपरा ही हम सबको यह बताती है कि प्रकृति रामराज्य का आधार है।

हम श्रीराम तो बनना चाहते हैं पर श्रीराम के जीवन आदर्शों को अपनाना नहीं चाहते, प्रकृति-प्रेम को अपनाना नहीं चाहते, यह एक बड़ा विरोधाभास है। अजीब है कि जो हमारे जन-जन के नायक हैं, सर्वोत्तम चेतना के शिखर है, जिन प्रभु श्रीराम को अपनी सांसों में बसाया है, जिनमें इतनी आस्था है, जिनका पूजा करते हैं, हम उन व्यक्तित्व से मिली सीख को अपने जीवन में नहीं उतार पाते। प्रभु श्रीराम ने तो प्रकृति के संतुलन के लिए बड़े से बड़ा त्याग किया। अपने-पराए किसी भी चीज की परवाह नहीं की। प्रकृति के कण-कण की रक्षा के लिए नियमों को सर्वोपरि रखा और मर्यादा पुरुषोत्तम कहलाए! पर हमने यह नहीं सीखा और प्रकृति एवं पर्यावरण के नाम पर नियमों को तोड़ना आम बात हो गई है। प्रकृति को बचाने के लिये संयमित रहना और नियमों का पालन करना चाहिए, इस बात को लोग गंभीरता से नहीं लेते।

आज इक्कीसवीं शताब्दी में पर्यावरण प्रदूषण के रूप में मानव जाति के अस्तित्व को ही चुनौती प्रस्तुत कर दी है। वायु प्रदूषण, जल प्रदूषण, ध्वनि प्रदूषण, मृदा प्रदूषण, रेडियो एक्टिव प्रदूषण, ओजोन परत में छिद्र, अम्लीय वर्षा इत्यादि का अत्यन्त विनाशकारी स्वरूप बुद्धिजीवी, विवेकशील, वैज्ञानिकों की चिन्ता का कारण बन चुके हैं। मानव समाज किस समय कौन सी समस्या से ग्रस्त होता है और उसके निदान के लिए समाज के सदस्यों की भूमिका एवं सहभगिता एवं शासकीय प्रयासों की तुलना में अधिक उस समाज के सांस्कृतिक मूल्य अधिक प्रभावी होते हैं। इस संदर्भ में भारतीय संस्कृति के आधार पुरातन ग्रन्थ-वेद, उपनिषद, पुराण, रामायण के साथ- तुलसीदास जी द्वारा रचित रामचरित मानस का अध्ययन व विश्लेषण अत्यन्त लाभप्रद हो सकता है विशेषकर रामचरित मानस का क्योंकि वर्तमान समय में घर-घर में न केवल रामचरितमानस एक पवित्र ग्रन्थ के रूप में पूजा जाता है। वरन इसका पाठ पारिवारिक व सामाजिक स्तर पर किया जाता है।

रामचरित मानस में पर्यावरण के संदर्भ में वर्णन करते हुए कहा है कि उस समय पर्यावरण प्रदूषण कोई समस्या नहीं थी। पृथ्वी के अधिकांश भू-भाग पर वन-क्षेत्र होता था। शिक्षा के केन्द्र आबादी से दूर ऋषि-मुनियों के वनों में स्थित आश्रम हुआ करते थे। प्रकृति की गोद में स्थित इन केन्द्रों से ही हमारी सभ्यता का प्रचार एवं प्रसार हुआ। यहाँ का वातावरण अत्यन्त स्वच्छ एवं निर्मल था। समाज में ऋषि-मुनियों का बड़ा सम्मान था। प्रतापी राजा-महाराजा भी इन ऋषि-मुनियों के सम्मुख नतमस्तक होने में अपना सौभाग्य समझते थे।

यदि हम रामराज्य के अभिलाषी हैं तो गोस्वामी तुलसीदास जी की अवधारणा के अनुरूप शुद्ध पेयजल एवं शुद्ध वायु की उपलब्धता सुनिश्चित करना ही होगा। ऐसा कोई भी कार्य हमें प्रत्येक दशा में बन्द करना होगा जो वायु एवं जल को प्रदूषित करता हो चाहे उससे कितना भी भौतिक लाभ मिलता हो। पर्यावरण प्रदूषण का मूल कारण है हमारी भौतिक लिप्सा। धरती मानव की मूलभूत आवश्यकताओं की पूर्ति हेतु सक्षम है। हम यह भी नहीं सोच पा रहे हैं कि असीमित विदोहन जारी रहने से मानव की आने वाली सन्तति का भविष्य क्या होगा? रामराज्य में विदोहन की वृत्ति नहीं थी। रामचरित मानस में हम पाते हैं कि विभिन्न प्राकृतिक अवयवों को मात्र उपभोग की वस्तु नहीं माना गया है बल्कि सभी जीवों तथा वनस्पतियों से प्रेम का सम्बन्ध स्थापित किया गया है। प्रकृति के अवयवों का उपभोग निषिद्ध न होकर आवश्यकतानुसार कृतज्ञतापूर्वक उपभोग की संस्कृति प्रतिपादित की गयी है जैसे कि वृक्ष से फल तोड़कर खाना तो उचित है, लेकिन वृक्ष को काटना अपराध है। रामराज्य धरती पर अनायास स्थापित नहीं किया जा सकता है इसके लिए प्राकृतिक पर्यावरण संरक्षण की संस्कृति विकसित करने की आवश्यकता है।

रामचरितमानस में प्रकृति में उपलब्ध औषधीय तत्त्वों का भी प्रतीकात्मक रूप से बहुत ही सुन्दर वर्णन किया हैं। इस संदर्भ में कुछ दृष्टान्त अत्यन्त महत्त्वपूर्ण हैं जिनमें सर्वाधित चर्चित दृष्टान्त-युद्ध के समय लक्ष्मणजी के मूर्छित होने पर लंका से वैद्य सुसैन को बुलाया जाना और संजीवनी बूटी द्वारा लक्ष्मणजी का उपचार करना है। पर्यावरण के संरक्षण के लिए सतत मानवीय प्रयास यानी समर्पण और परिश्रम आवश्यक है। जब व्यक्ति और पर्यावरण के मध्य संगम होता है तब प्रकृति का स्वरूप मानव के प्रति सकारात्मक होता है। जहाँ जहाँ श्रीराम ने निवास किया वहीं प्रकृति का सौन्दर्य की अद्भुत छटा विकीर्ण हो गई।

श्रीराम ने सिखाया कि उतार-चढ़ाव तो जीवन का अंग है। दुख किसने नहीं सहा और किसे नहीं होगा, पर यदि संकल्प मजबूत रहे और संकट काल में संयम बनाए रखें तो हम बड़े से बड़े तूफान, झंझावात का सामना कर सकते हैं। श्रीराम ने समता एवं संयम से जीने की सीख दी, पर हमने अनुकूलता-प्रतिकूलता के बीच संतुलन-धैर्य रखना भूल गये।

संपादकीय

मायावती का 'अलग राज्य'

बसपा प्रमुख मायावती ने चुनाव प्रचार के दौरान पश्चिमी उप्र को एक अलग, स्वायत्त राज्य बनाने का मुद्दा उछाला है। जब मायावती 2007-12 के दौरान उप्र की मुख्यमंत्री थीं, तब भी वह इस मुद्दे पर मुखर थीं। देश के पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह और उनके बाद भी इसी भूक्षेत्र को 'हरित प्रदेश' नामक राज्य बनाने को आंदोलन और अभियान छेड़े गए थे। 'हरित प्रदेश' राष्ट्रीय लोकदल के महत्वपूर्ण मुद्दों में एक था। चूंकि पश्चिमी उप्र जाट, किसान, गुर्जर बहुल आबादी का क्षेत्र है, जिनका बुनियादी पेशा कृषि है, लिहाजा 'हरित प्रदेश' नाम देने की बार-बार बात कही गई, लेकिन अब मायावती ने जो मुद्दा उठाया है, उसकी भावुकता 'हरित प्रदेश' से न जुड़ कर राजनीतिक और चुनावी अधिक है। बसपा को आम चुनाव, 2024 में कोई बड़ा फायदा मिलेगा, ऐसे आसार नहीं हैं, क्योंकि मायावती राजनीतिक तौर पर उतनी सक्रिय भी नहीं हैं। किसी भूखंड, क्षेत्र का पुनर्गठन कर नया, अलग राज्य बनाना आसान नहीं है। अलग राज्य के लिए संस्कृति, भाषा और जन-आंदोलन का होना बेहद अनिवार्य है। भाषायी आधार पर राज्यों के पुनर्गठन का सिलसिला 1953 में शुरू हुआ, जब आंध्रप्रदेश को प्रथम भाषायी राज्य बनाने की प्रक्रिया आरंभ की गई। तत्कालीन मैसूर राज्य और मद्रास राज्य के हिस्सों को अलग कर 'आंध्रप्रदेश' नए राज्य का पुनर्गठन किया गया। 2013-14 में आंध्रप्रदेश का विभाजन किया गया और 'तेलंगाना' नया, अलग राज्य बनाया गया। राज्य पुनर्गठन आयोग भारत सरकार का एक संस्थान है, जो नया, अलग राज्य बनाने की प्रक्रिया सम्पन्न करता है। आयोग राज्यों के विभिन्न विवादों का भी निपटान करता है।

अलग राज्य बनाने के पीछे राजनीतिक समर्थन ही पर्याप्त नहीं, एक स्वतंत्र प्रशासनिक ईकाई स्थापित करना ही मकसद नहीं, बल्कि भाषा और संस्कृति अहम कारक होते हैं। आंध्रप्रदेश को भाषायी आधार पर अलग राज्य बनाने के बाद ही समस्याओं का समाधान नहीं हुआ। राज्य पुनर्गठन आयोग ने इसी मुद्दे का व्यापक अध्ययन किया और 1955 में निष्कर्ष दिया कि अलग राज्य बनाने के लिए भाषायी ही सबसे सशक्त आधार है। राज्य सिर्फ एक प्रशासनिक ईकाई, एक अलग, स्वतंत्र सरकार ही नहीं है, वहां लोकतांत्रिक संस्थानों की प्रक्रिया और कार्यप्रणाली भी भावनात्मक हो। भाषा इस संदर्भ में इसका माकूल जवाब हो सकती है। प्रशासन के प्रभावों का भी सवाल है। कभी प्रभावशीलता प्रशासनिक ईकाई के आकार से भी तय होती है। करीब अढाई दशक पहले 'हरित प्रदेश' रालोद का सबसे महत्वपूर्ण मुद्दा था। आज नहीं है। इसी दौर में भाषायी आधार और क्षेत्रीय इतिहास, संस्कृति के आधार पर अलग राज्यों की मांगें मुखर होने लगीं। नतीजतन झारखंड, उत्तराखंड, छत्तीसगढ़ राज्य बनाए गए। उनके मूल राज्य-बिहार, उप्र और मध्यप्रदेश इतने विशाल राज्य थे कि विभाजन होने के बावजूद कुछ और अलग राज्यों की मांगें गूंजती रहती हैं। आवास और शहरी मामलों की संसदीय कमेटी की एक रपट में अनुमान लगाया गया था कि राष्ट्रीय जीडीपी में शहरी भारत की हिस्सेदारी 65 फीसदी है, लिहाजा शहरी प्रभुत्व राज्य में राजनीतिक आयामों और गतिशीलता को बदल सकता है। राज्य सरकार को जो टैक्स मिलता है, उस पर भी स्वायत्त नियंत्रण इसी वर्चस्व से तय होगा। पश्चिमी उप्र का मुद्दा अपेक्षाकृत आर्थिक रूप से कमजोर क्षेत्र का होगा।

राय

बदला सियासी डीएनए

हिमाचल में लोकसभा चुनाव से कहीं अधिक चिराग उपचुनावों में जल रहे हैं। नई रोशनी के समाधान में कांग्रेस की रणनीति सिद्धहस्त होने का जरिया खोजती-खोजती जहां पहुंच रही है, वहां भाजपा भी शह और मात के खेल में कई रहस्यों के साथ खड़ी है। जाहिर तौर पर लोकसभा चुनावों में विधायकों की भूमिका में चुनाव की उम्मीदवारी मंडी से शिमला तक कांग्रेस के पैमानों में ताजगी भर चुकी है और अगर यही आजमाइश कांगड़ा में भी विधायक को उतार दे, तो भाजपा के सामने अगली पारी की बारी मुश्किल परीक्षा पैदा कर सकती है। हिमाचल में राज्यसभा सांसद के चुनाव ने राजनीति का डीएनए बदला है। जो पहाड़ में पहले असंभव था, अब होने लगा है, यानी कांग्रेस की अवतार रही पिछली जीत अगर छिटक कर विरोधी पक्ष के घोंसले में फिर से सपने बुन रही है, तो यह हर हालत में नई आजमाइश है। जाहिर है बागी विधायकों ने खुद की स्वीकार्यता में संपूर्ण राजनीति का रक्त बदला है। भाजपा की नसों में पूर्व में रहे कांग्रेस के छह विधायकों के रक्त का मिलन जौहर दिखाता है या समाज का असमंजस बढ़ाता है, लेकिन जिस तरह का घटनाक्रम हिमाचल में घटित हुआ है, उससे भाजपा ने नित नया डीएनए खुद पर सवार कर लिया है। इसके परिणाम कितने सुखद और कितने आश्चर्यजनक होते हैं, इसका अंदाजा लगाना किसी भी पार्टी के लिए फिलहाल मुश्किल है।

यह ऐसा प्रयोग है जहां पृष्ठभूमि के अंगार अग्रिम भूमिका में हैं। कांग्रेस का विरोध कर कांग्रेस से दरकिनार हुए छह पूर्व विधायकों को अब अपनी पगड़ी पर चढ़ा भगवा रंग बचाना है, तो पृष्ठभूमि से खींचकर किरदार बचाना है। अचानक दो परिदृश्य भाजपा के परिप्रेक्ष्य में जिलों के कद्दावर नेताओं की बेचैनी बढ़ाते हैं। मसलन हमीरपुर में भाजपा के बड़े नेता का कद देखते हुए सियासत अपना डीएनए जांच रही है। इस लोकसभा क्षेत्र में सबसे अधिक विध्वंस हुए हैं, इसलिए चरित्र बनाम चरित्र का अधिकतम प्रयोग यहीं हुआ है। कल इबारतें अगर बदलती हैं, तो भाजपा का पदानुक्रम यानी हाइअराकि भी नए सिरे से लिखी जाएगी। कांगड़ा में भी सुधीर शर्मा की पेशकश में महज एक उपचुनाव की समीक्षा नहीं होगी, बल्कि भाजपा की अनुशंसा में कई नकाब भी बदलेंगे। जो चरित्र कांग्रेस से निकलकर भाजपा में घर कर रहा है, उससे पारंपरिक पार्टी कितने प्रतिशत रहेगी, यह साबित करने की चुनौती है। जो भी हो, कांग्रेस से भाजपा में आकर बने प्रत्याशियों ने मूल पार्टी के ढांचे में कुछ रिक्तता अवश्य पैदा की, लेकिन हिमाचल के समाज के सामने वे भी निरपराध नहीं हैं। क्या पार्टियों के पीछे भागती जनता ही नेताओं के पीछे भाग रही है या नेताओं के कारण नागरिक समाज पार्टियों को अहमियत दे रहा है।

पिछले कुछ समय से नेताओं ने अपने वजूद की खातिर अलग से दरबार सजाकर नित नए प्रयोग किए हैं। प्रदेश में राजेंद्र राणा, होशियार सिंह व प्रकाश राणा का उदय उनकी अपनी हस्ती से तराशा हुआ प्रतिफल था। ये पहले नेता बने, फिर पार्टियों ने आजमाया। इन्हीं उदाहरणों से कई नेताओं ने एनजीओ की तरह अपनी राजनीतिक दुकानदारी शुरू की है और ये सफल भी हो रहे हैं। भाजपा ने गैर परंपरागत परिपाटी शुरू करते हुए हिमाचल के नक्शे पर उपचुनावों की परिस्थिति में जो अपनाया वह असाधारण है, लेकिन जो गंवाया वह भी साधारण नहीं है।

नशे को न कह कर जिंदगी जीएं शान से

नशा करते वक्त किसी को भी होश नहीं होती कि वह अपना कितना बड़ा नुकसान कर रहा है। नशे के लिए वह अपना सब कुछ दांव पर लगा देता है। सारा पैसा और यहां तक कि घर के गहने तक बेच देता है। युवाओं को नशा केवल देश के लिए कुछ करने के लिए जज्बे का, अच्छी बातों को ग्रहण करने का और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी सही से करने का होना चाहिए'

नशा हमारे समाज में किसी चुनौती से कम नहीं है। नशे के बारे में आए दिन कोई न कोई खबर समाचारपत्र, रेडियो, टेलीविजन में देखने सुनने और पढने को मिलती है। नशे में सबसे अधिक हमारे देश का युवा गिरफ्त में फंसता जा रहा है। युवा जिसे देश का भविष्य कहा जाता है, समझा जाता है और भविष्य होते भी हैं, उस देश का युवा समझदार होते हुए भी नशे के आगे नासमझ बनता जा रहा है। नशे के आगे बेबस हो चुका है और इस बेबसी में एक कमजोर कड़ी के रूप में अपने व अपने शरीर को तबाह कर रहा है। शुरुआती दौर में युवा वर्ग नशे को शौकिया तौर पर लेता है जिसमें वह बीड़ी, सिगरेट, शराब वगैरह घर के व्यक्तियों से, जो इन चीजों का सेवन करते हैं, की देखा-देखी में उपयोग करता है। धीरे-धीरे उसे किसी न किसी नशे की आदत पड़ जाती है। इन नशों में अफीम, चिट्टा, हेरोइन, नशीली गोलियां, कैप्सूल, चरस, भांग जैसी किस्में आती हैं। ऐसी कई नशीली दवाइयां हैं जिनके सेवन से देश के लोगों, युवाओं की सेहत के साथ खिलवाड़ हो रहा है और साथ ही साथ उनके जीवन का नाश भी कर रही हैं तथा उन्हें कमजोर बना रही हैं।

शराब का सेवन करना भी किसी नशे से कम नहीं है। वैसे ही जरदा, खैनी, गुटका जैसे पदार्थों का सेवन करके आज का युवा और लोग इसकी बुरी लत में फंस रहे हैं और फिर इसके आदी बन कर अपनी सेहत के साथ खिलवाड़ कर रहे हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में देसी शराब लोगों को मौत के मुंह में धकेलने का काम कर रही है। इस देसी शराब, जो जहरीली होती है, से असंख्य लोग अपनी जान गंवा देते हैं। नशा करने के लिए मनुष्य कई कारण ढूंढता है जो उसके लिए कमजोरी बन जाती है। कुछ लोग शौकिया तौर पर इसका इस्तेमाल करते हैं। कुछ पढ़ाई, काम, व्यवसाय में असफल होने पर तो कुछ लोग और युवा तो ऐसे होते हैं कि उन्हें इस बुराई का पता ही नहीं होता है, वे एक दूसरे की देखा-देखी में नशे की बुरी आदतों को अपनाकर अपनी जिंदगी को मौत के कुएं में धकेलने के लिए दस्तक देते हैं। नशे का आदी व्यक्ति इस गंदे दलदल में इस तरह फंसता चला जाता है कि उसका इससे बाहर निकलना मुश्किल हो जाता है और वहीं से उसकी बर्बादी की कहानी शुरू होती है। इस बर्बादी में वह खुद ही शामिल नहीं होता है, बल्कि अपने परिवार को भी शामिल करता है। उसका परिवार उसकी इस दशा से परेशान होता है, उसकी चिन्ता करता है, जिससे उनका भी नुकसान बिना नशा किए ही हो जाता है। हमारे देश और प्रदेश में हर साल नशे की इतनी सारी खेप पुलिस विभाग द्वारा पकड़ी जाती है, कि हैरानी होती है। नशे के साथ नशे के व्यापारी भी पकड़े जाते हैं। फिर भी नशे का कारोबार कम नहीं होता है। प्रदेश पुलिस द्वारा भी समय -समय पर कई विशेष अभियान चलाए जाते हैं, दौड़ करवाई जाती है और स्कूलों में भाषण प्रतियोगिताओं का आयोजन भी किया जाता है। नशे का कारोबार अब स्कूल, कॉलेज, विश्वविद्यालयों के परिसरों के बाहर पैर पसारने लगा है और बच्चे गुमराह हो रहे हैं। नशा शरीर का नाश करता है, इस बात को तो सब जानते हैं, समझते हैं, लेकिन समझकर भी नासमझ बन जाते हैं और अनदेखा कर देते हैं। जब तक समझ में आता है तब तक बहुत देर हो चुकी होती है।

देश और प्रदेश की सरकारें, स्वयं से भी संगठन और समाज के प्रबुद्ध व्यक्ति नशे के खिलाफ समय-समय पर मुहिम चलाते हैं और नशे को रोकने के लिए प्रयास करते हैं। हिमाचल प्रदेश में भी नशे के खिलाफ अभियान समय-समय पर चलाए जा रहे हैं। प्रदेश में नशे को रोकने हेतु पुनर्वास एवं नशा मुक्ति केन्द्रों और गैर सरकारी संगठनों के माध्यम से लोगों को जागरूक किया जा रहा है। यहां तक कि गांव, स्कूल और महाविद्यालयों में समितियों का गठन करके नजर रखी जा रही है। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग भी नशे के खिलाफ काम कर रहा है। विभाग समय-समय पर पोस्टर, ब्राउशर बांटता है और स्कूलों, गांव और शहरों में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। मादक पदार्थ नियंत्रण अधिनियम के प्रावधानों को कठोरता से लागू किया जाना चाहिए। कई राज्यों में तो शराब पर पूर्ण प्रतिबन्ध है। नशा मानव जाति के लिए एक गम्भीर समस्या है जिसको समय रहते रोका नहीं गया व इसे जड़ से खात्मा नहीं किया गया, तो यह सबके लिए एक अभिशाप बन कर रह जाएगा। नशा शब्द को उल्टा करके यानी ''शा'' को पहले और ''न'' को बाद में लिखें तो शब्द बनता है 'शान'। समाज के हर नागरिक को चाहिए कि नशे को न कहें और अपनी जिंदगी शान से जियें। हमें दृढ़ संकल्प करना होगा कि हमें खुद भी नशे से दूर रहना होगा और जो नशे में संलिप्त है, उसे भी इससे दूर रखना होगा। तभी हम देश के अच्छे नागरिक बन सकते हैं। युवाओं को चाहिए कि वे खाली समय में योग करें, अच्छी-अच्छी ज्ञानवर्धक किताबें पढें.और अपना ध्यान खेलों में भी लगाएं। जब हम इन सबमें व्यस्त रहेंगे तो हमारा ध्यान बुरी आदतों की तरफ नहीं जाएगा और हम अपने शरीर को नशे जैसे जहरीले सांप से बचा सकेंगे। यह जिंदगी कीमती है और इसकी कीमत को समझना जरूरी है।

जब एक व्यक्ति नशे में संलिप्त होता है और उसकी जिंदगी धीरे-धीरे खत्म होती जाती है तो उसकी चिंता में उसका परिवार, जिसमें उसके माता-पिता, भाई-बहन, पत्नी और बच्चे भी शामिल हैं, चिन्तित होता है। यह चिन्ता भी स्वाभाविक है। नशा करने वाला व्यक्ति उनके परिवार का हिस्सा होता है। नशा करते वक्त किसी को भी होश नहीं होती कि वह अपना कितना बड़ा नुकसान कर रहा है। नशे के लिए वह अपना सब कुछ दांव पर लगा देता है। सारा पैसा और यहां तक कि घर के गहने तक बेच देता है। युवाओं को नशा केवल देश के लिए कुछ करने के लिए जज्बे का, अच्छी बातों को ग्रहण करने का नशा और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी सही से करने का नशा होना चाहिए। तभी देश तरक्की की तरफ आगे बढ़ेगा और खुद युवा खुशहाल जिंदगी जी पाएगा।

-अश्वनी कौंडल

अशोक गौतम

जरूरत है एक ईमानदार प्रकाशक की

जब भी मेरा मन कुछ भी लीक से हटकर लिखने को करता है तो मैं अपनी लाइब्रेरी में पड़े कवियों-गद्यकारों के संकलनों में से पांच सात कवियों, पांच सात गद्यकारों की रचनाएं मुस्कुराते हुए फाड़ उनके टुकड़े टुकड़े कर उन्हें अपने सृजनात्मक डिब्बे में डाल देता हूं। फिर अपने उस सृजनात्मक डिब्बे को तब तक हिलाता रहता हूं जब तक गद्य पद्य में तो पद्य गद्य में घुल मिल नहीं जाते, कबीर के कुंभ में जल जल में कुंभ की तरह।

मेरा लिखने का अपना स्टाइल है। जब भी मेरा मन कुछ भी लीक से हटकर लिखने को करता है तो मैं अपनी लाइब्रेरी में पड़े कवियों-गद्यकारों के संकलनों में से पांच सात कवियों, पांच सात गद्यकारों की रचनाएं मुस्कुराते हुए फाड़ उनके टुकड़े टुकड़े कर उन्हें अपने सृजनात्मक डिब्बे में डाल देता हूं। फिर अपने उस सृजनात्मक डिब्बे को तब तक हिलाता रहता हूं जब तक गद्य पद्य में तो पद्य गद्य में घुल मिल नहीं जाते, कबीर के कुंभ में जल जल में कुंभ की तरह। बाहर जो हो, सो होता रहे। इससे मुझे कोई लेना देना नहीं होता। जब मुझे पता नहीं लगता कि अब इसमें गद्य कौन तो पद्य कौन, उसके बाद मैं अपने सृजनात्मक डिब्बे का ढक्कन खोल डिब्बे में से दो चमच नूतन साहित्य के निकाल उसे कागज पर डाल खिली धूप में सूखने रख देता हूं ताकि मेरा साहित्य समाज को ऊर्जा देने लायक हो जाए, प्रकाश देने लायक हो जाए। उसके बाद जो बनता है, मत ही पूछो, क्या बनता है! उसका रसास्वादन कर मैं अपनी उंगलियां चाटता अपने दांतों तले चबा लेता हूं। वाह यार! क्या कमाल का बर्गर बनाया तूने। नमक, मिर्च सहित तमाम मसाले इतने परफेक्ट कि ऐसा रीतिकालीन आचार्यों की डिशिश में भी देखने को कम ही मिले। यार! साहित्यिक शैफ हो तो तेरे जैसा। कोई पता लगा दे कि ये मीठे में कड़वा है या कड़वे में खट्टा, खट्टे में मीठा है कि मीठे में खट्टा तो उसके बलिहारी जाऊं।

मतलब तब वह रचना न गद्य होती है न पद्य। होती है तो बस मेरी आपकी जिंदगी की तरह। जिसे न खाते रहा जाए, न चबाते। पर थूकते भी न रहा जाए। लेखन की इस अद्भुत कला के पीछे मेरा तर्क है कि जिस तरह आज जिंदगी न जिंदगी है न मौत, उसी तरह आज न कुछ पद्य है, न कुछ गद्य। पर वह कुछ जरूर है। यही जिंदगी की तरह काफी है। वे प्रकाशक प्रकाशक का पानी पिए हैं। कल मैंने उनसे संपर्क साधा, 'डियर! मैं फेसबुक, व्हाट्सएप पर चेपी अपनी मौलिक रचनाओं का संकलन प्रकाशित करवाना चाहता हूं। व्हाट्सएप, फेसबुक पर तो दिनरात पाठकों से रूबरू होता ही रहता हूं, अब मैं अमेजन, फ्लिपकार्ट के थ्रू पाठकों के घर में दस्तक देना चाहता हूं। मेरे तमाम फेसबुकिया, व्हाट्सेपिया पाठकों की मुझसे डिमांड है कि मैं किताब रूप में असैंबल हो कालजयी होऊं। मैं ही क्या! आज हर लेखक अमेजनीय, फ्लिपकार्टिय होना चाहता है। इसलिए मैं चाहता हूं कि मैं फेसबुक, व्हाट्सएप के लाइक्सों से बाहर निकल किताब रूप में अपने पाठकों के सामने प्रगट होऊं। जिंदगी में एक साहित्यकार को वह सब कुछ मिल सकता है जिसकी कामना उसने सपने में भी न की हो, पर सुना है, आज की तारीख में पाठक मिलना बहुत मुश्किल है। इसलिए पाठकों की मांग का आदर करते हुए मैं अपनी रचनाओं का संकलन छपवा अपने दिमागों को झकझोरना चाहता हूं। इसके लिए मुझे तुम्हारी सख्त जरूरत है। मुझे एक अच्छा सा प्रकाशक चाहिए जो मेरे साथ धोखा न करे। जिस तरह आत्मा की मुक्ति पंडों द्वारा होती है, सुना है, उसी तरह मूर्धन्य से लेकर स्वनामधन्य लेखक तक का मुक्ति मार्ग प्रकाशक के दरवाजे पर ही खत्म होता है।

लेकिन इसके साथ ही साथ यह भी सुना है कि इस राह में कदम कदम पर धोखे हैं। बंधु! मैं जिंदगी में जितने धोखे खा सकता था, या कि जितने धोखे खाने की मुझमें कैपेसिटी थी, उतने मैं अपने परायों, से खा चुका हूं। अब मुझमें और धोखे खाने की हिम्मत नहीं है' मेरी यह बात उनको मुझ पर ही नहीं, तय है, अपने पर भी हंसी आई होगी। पर वे हंसे नहीं। गंभीर हो बोले, 'दोस्त! प्रकाशक और अच्छा सा! प्रकाशक और ईमानदार सा! जो प्रकाशक लेखक से ईमानदारी करेगा तो खाएगा क्या? हर लेखक प्रकाशक के लिए उसके ठीए पर बिन बुलाए बकरे से अधिक और कुछ भी नहीं होता। ऐसे में जो कसाई ईमानदार होगा, निश्चित है, वह कसाई नहीं होगा। बंधु! यहां सब कुछ अच्छा मिल सकता है, पर प्रकाशक अच्छा मिलना बहुत मुश्किल है खुदा की तरह। कहीं जो अलादीन का चिराग भी किसी लेखक के हाथ लग जाए और वह अलादीन से कहे कि हे अलादीन! मुझे एक अच्छा सा प्रकाशक उपलब्ध करवा, तो वह भी अपने आका के आगे सिर झुका घुटने टेक दे।' 'मतलब?' मैंने उनसे उनके कहने का मतलब पूछा तो उन्होंने पता नहीं क्यों फोन काट दिया। खास दोस्त ऐसे ही होते होंगे शायद!

भारत में वर्कप्लेस की बढ़ रही डिमांड, मांग बढ़ाने में ये विदेशी कंपनियां सबसे आगे

भारत में नौकरियों की आउटसोर्सिंग करने वाली अंतर्राष्ट्रीय कंपनियां देश में कार्यालय की मांग का एक प्रमुख चालक बन गई हैं। नाइट फ्रैंक की रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत में ऑफशोरिंग उद्योग एक अग्रणी वैश्विक सेवा प्रदाता के रूप में विकसित हुआ है जिसका वैश्विक ऑफशोरिंग बाजार में 57 प्रतिशत हिस्सा है। आइये इसके बारे में जानते हैं।

नई दिल्ली। नाइट फ्रैंक को. की रिपोर्ट में पता चला है कि भारत में नौकरियों की आउटसोर्सिंग करने वाली अंतर्राष्ट्रीय कंपनियां देश में कार्यालय की मांग का एक प्रमुख चालक बन गई हैं, वैश्विक क्षमता केंद्र और तीसरे पक्ष के आईटी सेवा प्रदाता 2023 के दौरान कार्यक्षेत्र के कुल पट्टे में 46 प्रतिशत का योगदान दे रहे हैं।

रियल एस्टेट सलाहकार नाइट फ्रैंक ने अपनी नई रिपोर्ट 'एशिया पैसिफिक होराइजनः हार्नेसिंग द पोटेंशियल ऑफ ऑफशोरिंग' में कहा है कि भारत में ऑफशोरिंग उद्योग एक अग्रणी वैश्विक सेवा प्रदाता के रूप में विकसित हुआ है, जिसका वैश्विक ऑफशोरिंग बाजार में 57 प्रतिशत हिस्सा है।

सलाहकार ने बताया कि ऑफशोरिंग बाजार में लागत बचत, विशेष कौशल और परिचालन क्षमता का लाभ उठाने के उद्देश्य से विदेश में स्थित बाहरी प्रदाताओं को व्यावसायिक प्रक्रियाओं या सेवाओं को आउटसोर्स करने वाली कंपनियां शामिल हैं।

ऑफशोरिंग बाजार में काम करते है कई मॉडल

बिजनेस प्रोसेस आउटसोर्सिंग (बीपीओ) के रूप में भी जाने जाने वाले ऑफशोरिंग बाजार में वैश्विक क्षमता केंद्र (जीसीसी) और वैश्विक व्यापार सेवा (जीबीएस) जैसे विभिन्न मॉडल शामिल हैं।

जीसीसी ऑफशोर प्लेस में कंपनियों द्वारा स्थापित आंतरिक यूनिट हैं, जबकि जीबीएस में वैश्विक स्तर पर सेवाओं की एक श्रृंखला प्रदान करने वाली केंद्रीकृत सेवा वितरण इकाइयां शामिल हैं।

रिपोर्ट में कहा गया है कि 2023 में, भारत में ऑफशोरिंग उद्योग में 27.3 मिलियन वर्ग फीट (वर्ग फीट) की कुल लीजिंग मात्रा देखी गई, जो पिछले वर्ष की तुलना में 26 प्रतिशत की महत्वपूर्ण वृद्धि है।

ऑफशोरिंग में सेवाओं की एक विस्तृत श्रृंखला शामिल है, जिसमें आईटी आउटसोर्सिंग, अनुसंधान और ज्ञान प्रक्रिया आउटसोर्सिंग और अन्य सेवा प्रक्रिया आउटसोर्सिंग शामिल है।

रिपोर्ट में इस बात पर प्रकाश डाला गया है कि भारत लगभग 42 प्रतिशत वैश्विक कंपनियों की मेजबानी करता है जो देश से एंड-टू-एंड बिजनेस ऑफशोरिंग समाधान निष्पादित करते हैं।

2023 में तीन गुनी बढ़ोतरी

ऑफशोरिंग उद्योग भारतीय अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण योगदान देता है, जो 2023 में कुल सेवा निर्यात का लगभग 60 प्रतिशत है। उद्योग का सेवा निर्यात 2013 में 63 बिलियन अमरीकी डालर से बढ़कर 2023 में 185.5 बिलियन अमरीकी डालर हो गया है, जो एक बड़ी तीन गुना वृद्धि है।

सलाहकार ने कहा कि भारतीय ऑफशोरिंग बाजार 2023 में 46 प्रतिशत से अधिक कार्यालय स्थान को पट्टे पर देने के साथ देश के कार्यालय स्थान में एक महत्वपूर्ण अधिभोगकर्ता के रूप में विकसित हुआ है।

भारत के ऑफशोरिंग बाजार में कैलेंडर वर्ष 2023 में 27.3 मिलियन वर्ग फुट की कुल लीजिंग वॉल्यूम देखी गई, जिसमें से जीसीसी की हिस्सेदारी 20.8 मिलियन वर्ग फुट और तीसरे पक्ष की आईटी सेवाओं की 6.5 मिलियन वर्ग फुट थी।

2023 तक देश भर में 1,580 से अधिक केंद्रों को बढ़ावा देकर भारत में जीसीसी परिदृश्य में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है।

भारतीय कार्यालय अंतरिक्ष पट्टे लेनदेन में जीसीसी की हिस्सेदारी 2022 में 25 प्रतिशत से बढ़कर 2023 में 35 प्रतिशत हो गई है।

सेमीकंडक्टर, ऑटोमोबाइल में GCC ने किया विकास

हालांकि सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) देश में जीसीसी का सबसे बड़ा कब्जा करने वाला देश बना हुआ है, लेकिन औद्योगिक क्षेत्र, विशेष रूप से सेमीकंडक्टर, ऑटोमोबाइल और फार्मास्युटिकल उद्योगों में जीसीसी द्वारा विकास को महत्वपूर्ण रूप से प्रेरित किया गया था।

इन जीसीसी ने अद्वितीय विकास के अवसरों को भुनाने और वैश्विक स्तर पर इन उद्योगों की गति के साथ तालमेल बिठाने के लिए बड़े स्थान सुरक्षित किए।

नाइट फ्रैंक इंडिया में ऑक्यूपियर स्ट्रैटेजी एंड सॉल्यूशंस, इंडस्ट्रियल एंड लॉजिस्टिक्स, कैपिटल मार्केट्स और रिटेल एजेंसी के वरिष्ठ कार्यकारी निदेशक, विरल देसाई ने कहा कि भारत आउटसोर्सिंग बाजार में एक पारंपरिक नेता रहा है और उच्च कौशल, कम लागत वाले बाजार के अनूठे प्रस्ताव के साथ सरकार की सार्थक नीतियों ने इसकी स्थिति को बढ़ाया है।

उन्होंने कहा कि पिछले एक दशक में भारत ने खुद को लागत प्रभावी केंद्र से मूल्य वर्धित कैप्टिव केंद्र में बदल लिया है।

देसाई ने कहा कि वैश्विक व्यवसायों की बढ़ती जरूरतों के साथ खुद को जोड़कर, भारत अब उत्कृष्टता का एक स्थापित केंद्र है। कुल पट्टों में जीसीसी की बढ़ती हिस्सेदारी 2024 में कार्यालय बाजार की मांग का समर्थन करेगी।

24 घंटे में रिफंड से स्लीपर वंदे भारत तक, रेलवे को बदलने की तैयारी; सुपर ऐप भी करेगा कमाल

रेलवे ने 10 लाख करोड़ रुपये से अधिक के निवेश के साथ 40000 किलोमीटर से अधिक लंबे तीन आर्थिक गलियारों की योजना बनाई है। साथ ही निजी भागीदारी से 1300 से अधिक रेलवे स्टेशनों का आधुनिकीकरण किया जाएगा। इन आधुनिक स्टेशनों में शॉपिंग मॉल और हवाई अड्डे जैसे वेटिंग लाउंज जैसी विश्व स्तरीय सुविधाएं होंगी। मेट्रो नेटवर्क के विस्तार की भी योजना है।

नई दिल्ली। भारत की विकास गाथा में भारतीय रेलवे (Indian Railways) का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। देश के विकास के साथ ही रेलवे भी विकास के नए-नए पायदान चढ़ रहा है। लेकिन अब भी बहुत कुछ किया जाना बाकी है। और अब रेलवे ने खुद के कायाकल्प की पूरी तैयारी कर ली है। समाचार एजेंसी एएनआई ने रेलवे अधिकारियों के हवाले से बताया है कि नई सरकार के गठन के बाद अगले 100 दिन में रेलवे को बड़े बदलावों से ले जाने की तैयारी है। इसमें यात्रियों की सुविधा पर विशेष ध्यान रखा जाएगा। जैसे 24 घंटे के भीतर टिकट रिफंड (24-hour ticket refund scheme) करने की स्कीम, रेलवे की तमाम सुविधाओं के लिए एक सुपर ऐप (Super App) लॉन्च करना, तीन इकोनॉमिक कॉरिडोर (Economic Corridors) और स्लीपर वंदे भारत ट्रेनें (Sleeper Vande Bharat) शामिल हैं।

नई टिकट रिफंड स्कीम में यह सुनिश्चित किया जाएगा कि यात्रियों को 24 घंटे के भीतर उनके पैसे वापस मिल जाएं। वर्तमान में इसमें तीन दिन से लेकर एक हफ्ते तक का समय लगता है।

सुपर ऐप भी करेगा कमाल

इसके साथ ही रेलवे की तरफ से एक सुपर ऐप भी लॉन्च करने की तैयारी है, जिसमें यात्रियों के लिए टिकट बुकिंग से लेकर ट्रेनों की लाइव लोकेशन देखने तक की सारी सुविधाएं एक ही जगह उपलब्ध रहेंगी। रेलवे के 100 दिन के एजेंडा में सभी यात्रियों के लिए एक बीमा योजना को पेश करना भी शामिल है जिसका नाम पीएम रेल यात्री बीमा योजना होगा।

रेलवे के कायाकल्प की इस योजना में रेलवे को आधुनिक विश्वस्तरीय सुविधाओं से सुसज्जित करने के लिए अगले पांच वर्षों में 10 से 12 लाख करोड़ रुपये का निवेश शामिल है।

वंदे भारत ट्रेनों को लेकर बड़ी प्लानिंग

वंदे भारत ट्रेनों को लेकर भी बड़ी प्लानिंग की गई है। पूरे भारत में तीन श्रेणियों में वंदे भारत ट्रेनें शुरू की जाएंगी, जिनमें 100 किलोमीटर से कम के मार्गों पर वंदे मेट्रो, 100 से 550 किलोमीटर के मार्गों पर वंदे चेयर कार और 550 किलोमीटर से अधिक के मार्गों के लिए वंदे स्लीपर शामिल रहेंगे। वर्तमान में करीब 50 मार्गों पर वंदे भारत ट्रेनों का संचालन हो रहा है।

अहमदाबाद-मुंबई बुलेट ट्रेन को भी अप्रैल 2029 से चलाने की तैयारी है। साथ ही उत्तर, दक्षिण और पूर्वी भारत के लिए तीन और बुलेट ट्रेनें चलाने के लिए व्यवहार्यता अध्ययन किया जाएगा।

बनेंगे तीन आर्थिक गलियारे

रेलवे ने 10 लाख करोड़ रुपये से अधिक के निवेश के साथ 40,000 किलोमीटर से अधिक लंबे तीन आर्थिक गलियारों की योजना बनाई है। साथ ही निजी भागीदारी से 1,300 से अधिक रेलवे स्टेशनों का आधुनिकीकरण किया जाएगा। इन आधुनिक स्टेशनों में शॉपिंग मॉल और हवाई अड्डे जैसे वेटिंग लाउंज जैसी विश्व स्तरीय सुविधाएं होंगी।

मेट्रो नेटवर्क के विस्तार की भी योजना है। फिलहाल 20 शहरी शहरों में मेट्रो काम कर रही है या काम शुरू हो गया है।

पेमेंट एग्रीगेटर्स पर RBI ने जारी की ड्राफ्ट गाइडलाइन, पेमेंट इकोसिस्टम को बनाएगा बेहतर

परिवहन विशेष न्यूज

भुगतान इकोसिस्टम को बढ़ावा देना के लिए RBI ने भुगतान एग्रीगेटर्स पर नियमों को और मजबूत करने के लिए गाइडलाइन का मसौदा लेकर आया। भारत में भुगतान इकोसिस्टम में ऑनलाइन पीए और पीए शामिल हैं जो आमने-सामने/निकटता भुगतान लेनदेन की सुविधा देते हैं। इस ड्राफ्ट में भुगतान एग्रीगेटर्स (पीए) की भौतिक बिक्री बिंदु गतिविधियों को भी शामिल किया गया है।

नई दिल्ली। रिजर्व बैंक मंगलवार को भुगतान एग्रीगेटर्स पर नियमों को और मजबूत करने के लिए गाइडलाइन का मसौदा लेकर आया, जिसका उद्देश्य भुगतान इकोसिस्टम को बढ़ावा देना है। इस ड्राफ्ट में भुगतान एग्रीगेटर्स (पीए) की भौतिक बिक्री बिंदु गतिविधियों को भी शामिल किया गया है।

आरबीआई ने कहा कि डिजिटल लेनदेन में वृद्धि और इस क्षेत्र में पीए की महत्वपूर्ण भूमिका को देखते हुए, पीए पर मौजूदा निर्देशों को अपडेट करने और अन्य बातों के साथ-साथ केवाईसी और व्यापारियों के उचित परिश्रम, एस्क्रो खातों में संचालन को कवर करने का प्रस्ताव है। इसका उद्देश्य भुगतान पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करना है।

ड्राफ्ट में क्या कहा गया?

भारत में भुगतान इकोसिस्टम में ऑनलाइन पीए और पीए शामिल हैं, जो आमने-सामने / निकटता भुगतान लेनदेन की सुविधा प्रदान करते हैं।

ड्राफ्ट में कहा गया है कि केवाईसी और उचित परिश्रम पर भुगतान एग्रीगेटर्स को अपने नो योर कस्टमर (एमडी-केवाईसी), 2016 पर मास्टर गाइडलाइन में निर्धारित ग्राहक उचित परिश्रम (CDD) के अनुसार उनके द्वारा शामिल व्यापारियों का उचित परिश्रम करना चाहिए।

आरबीआई ने जिस ड्राफ्ट पर 31 मई, 2024 तक टिप्पणियां की हैं, उसमें कहा गया है कि पीए यह सुनिश्चित करेंगे कि उनके द्वारा शामिल किए गए मार्केटप्लेस उनके प्लेटफॉर्म के माध्यम से पेश नहीं की जाने वाली सेवाओं के लिए धन एकत्र न करें और निपटान न करें।

गर्मी आते ही लगभग 10 प्रतिशत बढ़ी भारत की बिजली खपत, जानिए क्या है इसके पीछे की वजह

परिवहन विशेष न्यूज

नई दिल्ली। मंत्रालय डेटा से पता चला है किभारत की बिजली खपत इस साल अप्रैल की पहले 15 दिनों में सालाना आधार पर लगभग 10 प्रतिशत बढ़कर 70.66 अरब यूनिट (बीयू) हो गई, जो आर्थिक गतिविधियों और उपभोग पैटर्न में सुधार दर्शाता है।

आंकड़ों के मुताबिक, इस साल 1-15 अप्रैल के दौरान देश में बिजली की खपत एक साल पहले की अवधि में 64.24 एमयू से बढ़कर 70.66 एमयू हो गई। अधिकतम बिजली की मांग पूरी हुई या एक दिन में सबसे अधिक आपूर्ति अप्रैल की पहली छमाही में बढ़कर लगभग 218 गीगावॉट हो गई, जबकि एक साल पहले इसी अवधि में यह 206 गीगावॉट थी।

गर्मी के मौसम में बढ़ता है बिजली

पिछले साल पूरे अप्रैल महीने के दौरान एक दिन में सबसे अधिक आपूर्ति लगभग 216 गीगावॉट थी। मंत्रालय ने लू की लंबी अवधि को देखते हुए गर्मी के मौसम (अप्रैल से जून) के दौरान 260 गीगावॉट की अधिकतम बिजली मांग का अनुमान लगाया है। सितंबर 2023 में चरम बिजली की मांग 243 गीगावॉट के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गई थी।

भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने इस साल गर्मियों के दौरान देश के अधिकांश हिस्सों में अधिकतम तापमान सामान्य से अधिक रहने की भविष्यवाणी की है।

विशेषज्ञों ने कहा कि आने वाले दिनों में बिजली की मांग बढ़ेगी क्योंकि देश के विभिन्न हिस्सों में बारिश के कारण साल के इस समय में इस्तेमाल होने वाले कूलिंग उपकरणों जैसे एयर कंडीशनर, डेजर्ट कूलर आदि की आवश्यकता कम हो गई है।

बिजली खपत की वृद्धि

हालांकि, उन्होंने कहा कि दोहरे अंक में बिजली खपत की वृद्धि आर्थिक गतिविधियों में सुधार और उपभोग पैटर्न में बदलाव को दर्शाती है।

उनका विचार है कि भारत में उपभोक्ता भी विभिन्न उपकरणों और गैजेट्स पर अपनी ऊर्जा खपत बढ़ा रहे हैं जैसा कि विकसित दुनिया मे किया जा रहा है।

इसके अलावा, उन्होंने बताया कि इलेक्ट्रिक बसों, कारों, रिक्शा और रेलवे जैसे परिवहन क्षेत्र में बिजली की वृद्धि ने भी उपभोग पैटर्न को बदल दिया है और प्रति व्यक्ति उपयोग में वृद्धि हुई है।

इस साल अप्रैल की पहले 15 दिनों में सालाना आधार पर लगभग 10 प्रतिशत बढ़कर 70 .66 अरब यूनिट (बीयू) हो गई जो आर्थिक गतिविधियों और उपभोग पैटर्न में सुधार दर्शाता है। पिछले साल पूरे अप्रैल महीने के दौरान एक दिन में सबसे अधिक आपूर्ति लगभग 216 गीगावॉट थी ।सितंबर 2023 में बिजली की मांग 243 गीगावॉट के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गई थी।

इनकम टैक्स रिटर्न कैसे फाइल करें? जानिए सबसे आसान तरीका, सिर्फ 5 मिनट में फाइल होगा ITR

परिवहन विशेष न्यूज

ITR 2023 इनकम टैक्स रिटर्न भरने की आखिरी तारीख 31 जुलाई है। ITR आप घर पर आसानी से भर सकते हैं। अगर आप भी आईटीआर भर रहे हैं तो हम आपको स्टेप बाय स्टेप जानकारी दे रहे हैं। इन स्टेप को फॉलो कर आप ऑनलाइन वित्त वर्ष 2023-24 और एसेस्मेंट एसेसमेंट ईयर 2024-25 के लिए अपना आईटीआर भर सकते हैं।

नई दिल्ली। वित्त वर्ष 2023-24 और एसेसमेंट ईयर 2024-25 के लिए इनकम टैक्स रिटर्न (ITR) भरने की आखिरी तारीख 31 जुलाई 2023 है। आईटी डिपार्टमेंट ने इसके लिए ऑनलाइन फॉर्म जारी कर दिए हैं। अगर आप भी आईटीआर भरने की प्लानिंग कर रहे हैं तो यहां हम आपको स्टेप बाय स्टेप जानकारी दे रहे हैं। इन्हें फॉलो कर आप आसानी से पांच मिनट के अंदर अपना आईटीआर फाइल कर लेंगे।

ऑनलाइन आईटीआर फाइल करने के लिए जरूरी डॉक्यूमेंट

पैन और आधार कार्ड, बैंक स्टेटमेंट, फॉर्म 16, दान की रसीदें (यदि हो), निवेश, इन्श्योरेंस पॉलिसी के भुगतान की रशीदें, होम लोन किस्त भुगतान की रशीदें, ब्याज सर्टिफिकेट

इनकम टैक्स रिटर्न कैसे भरा जाता है?

ऑनलाइन आईटीआर फाइल करने के लिए सबसे पहले आपको इनकम टैक्स की ऑफिशियल वेबसाइट ओपन करनी है। यहां हम आपको स्टेप बाय स्टेप जानकारी दे रहे हैं।

स्टेप 1: इनकम टैक्स ई-फाइलिंग की वेबसाइट ओपन करें और पैन नंबर और पासवर्ड डालकर लॉगइन करें।

स्टेप 2: अब आपको 'फाइन इनकम टैक्स रिटर्न' पर क्लिक करना है।

स्टेप 3: अगले स्टेप पर आपको असेस्मेंट ईयर चुनना है। अगर आप वित्त वर्ष 2023-24 के लिए आईटीआर भर रहे हैं तो AY 2024-25 चुनना होगा।

स्टेप 4: अगले स्टेप में आपको फाइलिंग स्टेट बताना है, जिसमें इंडिविजुअल, एचयूएफ और अन्य ऑप्शन मिलेंगे। अगर आप अपना आईटीआर फाइल कर रहे हैं तो 'Individual' पर क्लिक करना होगा।

स्टेप 5: अब आपको आईटीआर का प्रकार चुनना है। भारत में आईटीआर फॉर्म 7 तरह के होते हैं। इनमें से ITR 1 से 4 फॉर्म इंडिविजुअल और एचयूएफ के लिए होते हैं।

स्टेप 6: अगले चरण में आपको आईटीआर भरने का कारण बताना होगा। यहां आपको ऑप्शन - बेसिक छूट से ज्यादा टैक्सेबल इनकम, स्पेसिफिक क्राइटेरिया पूरा होना और आईटीआर फाइल करना अनिवार्य और अन्य ऑप्शन मिलते हैं। इनमें से किसी को सलेक्ट करना होगा।

स्टेप 7: प्री-फाइल्ड इन्फॉर्मेशन वैलिडेट करना

कई सारी डिटेल जैसे - PAN, आधार, नाम, डेट ऑफ बर्थ, कॉन्टेक्ट इन्फॉर्मेशन और बैंक डिटेल पहले से सेव रहती हैं। आपको इन जानकारी को वैलिडेट करना है।

इसके साथ ही आपको स्टेप बाय स्टेप अपनी इनकम, छूट और डिडक्शन की डिटेल्स भरनी हैं। इनमें से कई डेटा पहले से भरा रहता है आपको इसे रिव्यू कर सही जानकारी भरनी है। इसके बाद आपको रिटर्न की समरी कन्फर्म करनी है। डिटेल्स वैलिडेट करते हुए अगर कोई टैक्स बनता है तो उसका पेमेंट करना होगा।

स्टेप 8: ई-वेरिफाई आईटीआर

यह सबसे आखिरी स्टेप है। हालांकि, इसके लिए आपको तीस दिन का समय मिलता है। ई-वेरिफाई के लिए आप आधार ओटीपी, इलेक्ट्रॉनिक वेरिफिकेशन कोड, नेट बैंकिंग या फिर ITR-V को बेंगलुरू ऑफिस भेज सकते हैं।

क्या हम खुद इनकम टैक्स रिटर्न फाइल कर सकते हैं?

हां। आप खुद से अपना इनकम टैक्स रिटर्न फाइल कर सकते हैं। ऊपर बताए स्टेप को फॉलो करके आप अपना आईटीआर फाइल कर सकते हैं।

वित्त वर्ष 2024 में स्मॉल-कैप म्यूचुअल फंड एसेट में 83% की बढ़ोतरी, आखिर क्या है इसके पीछे की वजह

मार्च 2024 के अंत में स्मॉल-कैप म्यूचुअल फंड कैटेगरी की संपत्ति को 2.43 लाख करोड़ रुपये तक बढ़ा दिया है जो 83 % प्रतिशत का बढ़ोतरी को जाहिर करता है। ऐसेट में वृद्धि को निवेशकों की संख्या में वृद्धि से पूरक किया गया मार्च 2024 में फोलियो की संख्या 1.9 करोड़ तक पहुंच गई जो एक साल पहले 1.09 करोड़ थी जिससे 81 लाख का निवेशक आधार जुड़ गया।

नई दिल्ली। खुदरा निवेशकों की भागीदारी में उछाल और बाजार में तेजी की स्थिति ने मार्च 2024 के अंत में स्मॉल-कैप म्यूचुअल फंड कैटेगरी की संपत्ति को 2.43 लाख करोड़ रुपये तक बढ़ा दिया है, जो 83 % प्रतिशत का बढ़ोतरी को जाहिर करता है।

ऐसेट में वृद्धि को निवेशकों की संख्या में वृद्धि से पूरक किया गया, मार्च 2024 में फोलियो की संख्या 1.9 करोड़ तक पहुंच गई, जो एक साल पहले 1.09 करोड़ थी, जिससे 81 लाख का निवेशक आधार जुड़ गया। इससे स्मॉल-कैप फंडों के प्रति निवेशकों के रुझान का पता चलता है।

स्मॉल-कैप फंड्स में वृद्धि

FYERS के उपाध्यक्ष - अनुसंधान, गोपाल कवलिरेड्डी ने कहा कि भारत की अर्थव्यवस्था का विकास प्रक्षेपवक्र बढ़ती रुचि को आकर्षित कर रहा है, जिससे कई गैर-सूचीबद्ध स्मॉल-कैप कंपनियां पूंजी बाजार से समर्थन मांग रही हैं। यह प्रवृत्ति दीर्घकालिक विकास संभावनाओं पर नजर रखने वाले निवेशकों के लिए आशाजनक अवसर प्रदान करती है।

भीलवाड़ा उद्योग जगत को विश्व स्तर पर ले जायेगे : अग्रवाल

परिवहन विशेष अनूप कुमार शर्मा

भीलवाडा। भाजपा लोकसभा प्रत्याशी दामोदर अग्रवाल आज भीलवाड़ा शहर के दौरे पर रहे। जहां उन्होंने कई सभाओं को सम्बोधित करते हुये भीलवाड़ा उद्योग जगत को विश्व स्तर पर ले जाने की बात कही।

लोकसभा मीडिया प्रभारी विनोद झुर्रानी ने बताया कि भाजपा लोकसभा प्रत्याशी दामोदर अग्रवाल ने भीलवाड़ा शहर की ग्रोथ सेन्टर सभा को सम्बोधित करते हुये कहा कि भीलवाड़ा उद्योग जगत को विश्व स्तर पर ले जाना मेरी प्राथमिकता है। उद्योगों के विकास के लिये हरसंभव प्रयास करूंगा। जिससे उद्योगों को पलायन रूकेगा एवं भीलवाड़ा जिले में नये रोजगार बढ़ेगें।

पूर्व पुलिस महानिदेशक बी.एल. स्वर्णकार ने भी सभा को सम्बोधित करते हुये कहा कि मुझे भारतीय जनता पार्टी की सदस्यता ग्रहण करते हुये फक्र महसूस हो रहा है, आज मैं एक ऐसी पार्टी से जुड़ा हुआ हूँ, जिस पार्टी ने भारत को विकसित देशों की गिनत में ला दिया है। पहले आम आदमी स्वयं को भारतीय कहने पर संकोच करता था, आज वहीं आम आदमी आंख में आंख डालकर गर्व से स्वयं को भारतीय बताता है।

इसके पश्चात्दोपहर 2 बजे पेच के बालाजी पर भाजपा लोकसभा प्रत्याशी दामोदर अग्रवाल ने राम नवमी के शुभ अवसर पर हनुमान जी की आरती कर आशीर्वाद प्राप्त किया एवं समस्त जिले वासियो को राम नवमी की शुभकामनाऐं दी। साथ ही न्यू क्लॉथ मार्केट में एक आम सभा को सम्बोधित करते हुये सभी टेक्सटाईल व्यापारियों को भाजपा के पक्ष में अधिकाधिक मतदान करने की अपील की। साथ ही विश्वास दिलाया कि भीलवाड़ा टेक्सटाईल उद्योग को नई उच्चाईयां तक ले जायेंगे तथा भीलवाड़ा का कपड़ा विश्व तक पहुंचेगा। कार्यक्रम के दौरान मंच पर सांसद सुभाष बहेड़िया, विधायक अशोक कोठारी, सभापति राकेश पाठक, लक्ष्मीनारायण डाड, श्याम चाण्डक, तिलोकचन्द छाबड़ा, न्यू क्लॉथ मार्केट के अध्यक्ष गौतम जैन थे।

सांयकाल रिको ऐरिया में भाजपा लोकसभा प्रत्याशी दामोदर अग्रवाल ने रोड़ शॉ के माध्यम से भाजपा के पक्ष में मतदान की अपील की।

इसके पश्चात्शहर के प्रताप मण्डल में कुम्भा सर्कल पर मण्डल अध्यक्ष अनिल सिंह जादौन के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने लोकसभा प्रत्याशी दामोदर अग्रवाल का स्वागत किया। इसके पश्चात्शहर के शास्त्री मण्डल के सालासर बालाजी पर भी आमसभा का आयोजन हुआ।

जन सम्पर्क के दौरान ग्रोथ सेन्टर में - विधायक अशोक कोठारी, आर.सी.एम. के तिलोकचन्द छाबड़ा, टेक्सटाईल ट्रेड फैडरेशन के पूर्व अध्यक्ष श्याम चाण्डक, प्रेम गर्ग, रामेश्वर काबरा, लादूलाल तेली, बालूलाल आचार्य, अमर पुरावत, कल्पेश चौधरी, बाबूलाल टाक, रेखा परिहार, मंजू चेचाणी, कन्हैयालाल स्वर्णकार, अनिल दाधीच, भगवत सिंह न्यू क्लॉथ मार्केट में उपसभापति रामलाल योगी, अनिल अग्रवाल, डी.पी. अग्रवाल, गजानंद बजाज, शिव झंवर, मदनगोपाल कालरा, सुनील जागेटिया, सत्यनारायण मून्दड़ा, प्रेम स्वरूप गर्ग, सुरेश पौद्धार, रिको में - पन्नालाल चौधरी, नन्दलाल माली, संजीव चिरानिया, पुरूषौतम, तरूण दवे, मुरारी लाल बियाणी, मुकेश अजमेरा, सुरेन्द्र मेहता, मनीष अजमेरा, विमल जैन, राजकुमार मैलाना, अनूप शर्मा, मनीष पारीक, पवन जैन, महेन्द्र शर्मा, शास्त्री मण्डल में - मण्डल अध्यक्ष पीयूष डाड, पार्षद किशोर सोनी, कैलाश शर्मा, इन्दु बंसल, रोमा किशोर लखवानी, राहुल सोनी, सहित सैकड़ो की संख्या में कार्यकर्ता एवं उद्योगपति उपस्थित थे।

असत्य पर सत्य की विजय का नाम हैं मर्यादा पुरषोत्तम भगवान श्री राम : राष्ट्रवादी चिंतक राजेश खुराना

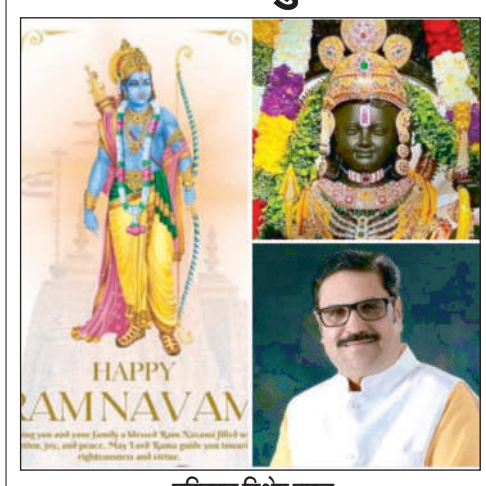

परिवहन विशेष न्यूज

आगरा। हर वर्ष चैत्र मास के शुक्ल पक्ष की नवमी तिथि को राम नवमी मनाई जाती है। इस दिन प्रभु श्रीराम धरती पर अवतरित हुए थे। इस साल 17 अप्रैल को राम नवमी का त्योहार मनाया जा रहा है। इस शुभ अवसर पर वरिष्ठ समाजसेवी राष्ट्रवादी चिंतक राजेश खुराना ने कहा कि असत्य पर सत्य की विजय का नाम, मर्यादा पुरषोत्तम भगवान श्री राम हैं। राम रोम-रोम में हैं, राम हर घर-आंगन में हैं, मन से रावण जो निकाले राम उसके मन में हैं। श्भगवान राम हम सबके आराध्य हैं, प्रेरणा स्त्रोत हैं। उनका न्याय और सामाजिक समानता पर आधारित जीवन हर सच्चरित्र इंसान के लिए एक आदर्श है।श्तो आइए, श्रीराम नवमी के पावन पर्व पर हम सभी ये प्रण लें कि राष्ट्रहित में हम सभी मिलकर मर्यादापुरषोत्तम प्रभु श्रीराम के इसी आदर्श जीवन को अपनाएँ और सदैव सत्य, न्याय और कर्तव्य के पथ पर चलेंगे। जिनके मन में श्री राम है, भाग्य में उसके वैकुण्ठ धाम है। उनके चरणों में जिसने जीवन वार दिया,

संसार में उसका कल्याण है। मन राम का मंदिर है, यहां उसे विराजे रखना। पाप का कोई भाग न होगा, बस राम को थामे रखना। प्रभु श्री राम आपके जीवन में प्रकाश लाए, राम आपके जीवन को सुंदर बनाएं। अज्ञान का अंधकार मिटाएं, आपके जीवन में ज्ञान का प्रकाश आए। इसी विचार के साथ राम नवमी की हार्दिक बधाई शुभकामनाएं। प्रभु श्रीराम आप सभी का जीवन मंगलमय करें।

उडीशा की बालेस्वर से लंदन बाइक यात्रा

मनोरंजन सासमल , स्टेट हेड उडीशा

भुबनेस्वर :सब कुछ संभव है। आपको बस अपने आप पर असीम विश्वास की आवश्यकता है। हमारे लिए कुछ भी असंभव नहीं है । यह कहावत जो भी सुनेगा उसका खून गर्म हो जाएगा और किसी भी काम को करने का जोश अपने आप जाग जाएगा।इनमें वे लोग भी हैं जो केवल इस संसार का भला चाहते हैं। और संसार की भलाई के लिए सब कुछ करना उनका आनंद बन जाता है। एक ऐसा शख्स जो अब हर किसी की चर्चा का केंद्र बिंदु है ।

ओड़शिा की बालेशोर से लंदन तक यात्रा। सबसे आश्चर्य की बात यह है कि जहाज़ या हवाई जहाज़ से यात्रा न करना। वह बलस्वर से लंदन तक अपनी बाइक से यात्रा करेंगे । बालेस्वर शहर के जाने-माने युवा और व्यवसायी कृष्ण चंद्र शतपथी उर्फ पुपू शतपथी ने बालेस्वर से लंदन तक की अपनी यात्रा शुरू की है। कृष्ण चंद्र ने विश्व में शांति स्थापित करने के लिए ऐसे कठोर कदम उठाए हैं। इससे पहले 2018 में कृष्णचंद्र ने 7 देशों की यात्रा की थी। अबी का लक्ष्य 2024 में बालेस्वर से लंदन तक की अपनी यात्रा के लिए 30 देशों को पार करते हुए 100 दिनों में 25,000 किलोमीटर की दूरी तय करना है। कल उनकी यात्रा के दौरान, बालेस्वर के बाइकर्स जुलूस में शहर में घूमे और शुभचिंतक बने।

रामनवमी पर चारभुजा नाथ को धराया गोल्डन तिलक

विष्णु अवतार को लगाया छप्पन भोग

परिवहन विशेष अनूप कुमार शर्मा

भीलवाड़ा। श्री माहेश्वरी समाज श्री चारभुजा जी मंदिर ट्रस्ट के बडा मंदिर में चैत्र रामनवमी के विशेष पर्व के अवसर पर चारभुजा नाथ के मनमोहक श्रृंगार के लिए गोल्डन तिलक धराया गया ट्रस्ट की ओर से तैयार लाल कुंदन एवं सफेद अमेरिकन डायमंड जड़ित दो तोले के गोल्डन तिलक एवं भौए अर्पित कये गए,रामनवमी के पावन अवसर पर विकास समदानी द्वारा विशेष रूप से आज के दिन गोल्डन तिलक एवं भौए तैयार करवा कर आज प्रातःमंगवाई गई ,जो रामनवमी के अवसर पर चारभुजा नाथ के स्वर्ण पोशाक के साथ धराई गई रामनवमी के अवसर पर गोल्डन तिलक के दर्शनों का विशेष महत्व रहा

ट्रस्ट मीडिया प्रभारी महावीर समदानी ने बताया कि इस बार रामनवमी के विशेष आयोजन पर षठरस व्यंजनों द्वारा तैयार छप्पन भोग इंजीनियर ओम प्रकाश हिंगड़ एवं समस्त परिवार जनों की ओर से लगाया गया ,ट्रस्ट अध्यक्ष उदयलाल समदानी ,ट्रस्ट संरक्षक रामेश्वर तोषनीवाल, ट्रस्टी राजेंद्र नुवाल की उपस्थिति में चारभुजा नाथ के ध्वजा अर्पण की गई।

ज्योतिष नगरी कारोई की अदिति ने एक बार फिर लहराया परचम

संयुक्त राष्ट्र संघ की विद्यार्थी इकाई मॉडल यूनाइटेड नेशन की तरफ से आयोजित यूनाइटेड नेशन यूथ कॉन्फ्रेंस व्याख्यान माला के तहत पंचायत राज में महिलाओं को 50 प्रतिशत आरक्षण के विषय पर अपने प्रभावी विचार रखते हुए श्रेष्ठता अर्जित की

परिवहन विशेष अनूप कुमार शर्मा

भीलवाड़ा। बागोर जिले ही नहीं देशभर में ख्यातनाम ज्योतिष नगरी कारोई कलां की अदिति व्यास ने एक बार फिर व्याख्यानमाला में श्रेष्ठता अर्जित करते हुए अपना परचम लहराया।

ज्योतिष नगरी कारोई के जानेमाने पण्डित अशोक व्यास ने बताया कि उनकी पुत्री वर्तमान में दिल्ली के प्रतिष्ठित विश्वविद्यालय श्रीराम कॉलेज फॉर वूमेन में अध्यनरत हैं।

पण्डित व्यास बताते हैं कि पुत्री अदिति व्यास ने संयुक्त राष्ट्र संघ की विद्यार्थी इकाई मॉडल यूनाइटेड नेशन की तरफ से आयोजित सबसे बड़ी मॉडल यूनाइटेड नेशन यूथ कॉन्फ्रेंस व्याख्यान माला में भाग लेकर पंचायत राज में महिलाओं को 50% आरक्षण विषय पर अपने प्रभावी विचार रखते हुए श्रेष्ठता अर्जित की।

अदिति ने बताया कि स्थानीय मुद्दों पर महिलाओं की गहरी समझ और पकड़ होने के कारण संवैधानिक अधिकार मिलने पर वे उन मुद्दों का बेहतर तरीकों से निस्तारण कर सकेगी। इधर अदिति व्यास के विचारों से प्रभावित निर्णायक मंडल ने उन्हें विशिष्टता पुरस्कार देकर सम्मानित भी किया।

उल्लेखनीय हैं कि कारोई के श्री सिद्धि विनायक ज्योतिष केंद्र के अधिष्ठाता पंडित अशोक व्यास की पुत्री अदिति व्यास दिल्ली विश्वविद्यालय के श्रीराम कॉलेज फॉर वूमेन के प्रवेश हेतु आयोजित CUET परीक्षा में ऑल इंडिया टॉपर भी रही हैं। वही अदिति व्यास की इस उपलब्धि पर प्रतिक्रिया देते हुये उसके पिता पंडित व्यास ने कहां कि अदिति हमेशा से ही प्रतिभाशाली और मेधावी छात्रा रही हैं। अदिति अपनी उपलब्धियों से परिवार के साथ साथ गाँव और समाज के साथ ही जिले व राज्य का नाम भी रोशन करती रहे। जो कि सम्पूर्ण गांव व जिले वासियों के लिए बड़े ही गौरव की बात होगी।

बाइक को घसीटती ले गई लॉरी निकल रही थी चिंगारी, लटका था युवक, वीडियो देख कांप उठेगा कलेजा

वीडियो में देखा जा सकता है कि एक बाइक सवार ट्रक के बगल से आगे निकलने की कोशिश करता है तभी उसका संतुलन बिगड़ जाता है और बाइक ट्रक के अगले पहिये के नीचे फंस जाती है। बाइक ट्रक के नीचे घिसटती रहती है। लेकिन हैरानी की बात यह है कि बाइक सवार ट्रक के फुटबोर्ड पर चढ़कर अपनी जान बचा लेता है।

नई दिल्ली। हैदराबाद से एक चौंकाने वाला वीडियो सामने आया है, जिसमें एक तेज रफ्तार ट्रक को बाइक को अपने अगले पहिये के नीचे घसीटते हुए देखा जा सकता है। यह घटना हैदराबाद के एक व्यस्त सड़क पर हुई और इसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। वीडियो में देखा जा सकता है कि एक बाइक सवार ट्रक के बगल से आगे निकलने की कोशिश करता है, तभी उसका संतुलन बिगड़ जाता है और बाइक ट्रक के अगले पहिये के नीचे फंस जाती है। बाइक ट्रक के नीचे घिसटती रहती है। लेकिन हैरानी की बात यह है कि बाइक सवार ट्रक के फुटबोर्ड पर चढ़कर अपनी जान बचा लेता है। इस घटना का वीडियो रवि कुमार नाम के यूज़र ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट किया है और ट्रक ड्राइवर के खिलाफ कार्रवाई की मांग करते हुए संबंधित अधिकारियों को भी टैग किया है। सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल होने के बाद हैदराबाद पुलिस ने कार्रवाई करते हुए ड्राइवर को हिरासत में ले लिया है।

छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने पदोन्नति में आरक्षण के प्रावधान को किया निरस्त

परिवहन विशेष न्यूज

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने छत्तीसगढ़ सरकार की उस अधिसूचना को निरस्त कर दिया है जिसमें शासकीय सेवकों के लिए पदोन्नति में आरक्षण देने का प्रावधान किया गया था। कोर्ट ने कहा है कि सुप्रीम कोर्ट द्वारा निर्धारित मापदंडों के अनुसार संवैधानिक संशोधन के बिना इसे लागू नहीं किया जा सकता। राज्य की पिछली कांग्रेस सरकार ने 22 अक्टूबर 2019 को आरक्षण में प्रमोशन के लिए अधिसूचना जारी की थी। इसके अनुसार चतुर्थ श्रेणी से लेकर प्रथम श्रेणी तक के कर्मचारी, अधिकारियों के लिए आरक्षण दिया जाना था। यह आरक्षण अनुसूचित जाति को 13 प्रतिशत तथा अनुसूचित जनजाति को 32 प्रतिशत दिया जाना था। अधिसूचना को रायपुर के एस संतोष कुमार ने अधिवक्ता योगेश्वर शर्मा के माध्यम से हाईकोर्ट में चुनौती दी थी। इसमें कहा गया कि राज्य सरकार का आदेश सुप्रीम कोर्ट के आदेश व आरक्षण नियमों के विपरीत है। इस पर तत्कालीन राज्य सरकार को नोटिस जारी कर कोर्ट ने जवाब मांगा था। राज्य सरकार ने माना था कि अधिसूचना में त्रुटियां हैं। इसमें संशोधन के लिए उसने समय मांगा था। राज्य सरकार की संशोधित अधिसूचना को भी हाईकोर्ट ने सुप्रीम कोर्ट के आदेश के विरुद्ध माना था और इस पर रोक लगा दी थी। मंगलवार को चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा व जस्टिस रविंद्र कुमार अग्रवाल की बेंच में इसकी अंतिम सुनवाई हुई। इस मामले में दायर हस्तक्षेप याचिकाओं पर भी तर्क सुने गए। डिवीजन बेंच ने कहा कि शासन का आदेश आरक्षण नीति में संशोधन से संबंधित है। आरक्षण में बदलाव करने के लिए सुप्रीम कोर्ट ने पूर्व में आदेश दिया है कि अनुसूचित जाति, जनजाति का मात्रात्मक डेटा एकत्र किया जाए और संविधान के अनुच्छेद 4 (ए) तथा 4 (बी) में निर्धारित प्रावधानों का पालन करते हुए संवैधानिक प्रावधान किया जाए।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक संजय कुमार बाटला द्वारा इम्प्रेशंस प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग लिमिटेड, सी-18,19,20 सेक्टर 59, नोएडा (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं 3, प्रियदर्शनी अपार्टमेंट ए-4, पश्चिमी विहार, नई दिल्ली- 110063 से प्रकाशित। सम्पर्क : 9212122095, 9811902095. newstransportvishesh@gmail.com
(इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी) किसी भी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा दिल्ली के न्यायालय के अधीन होंगे। RNI No :- DELHIN/2023/86499. DCP Licensing Number F.2 (P-2) Press/2023